लखनऊ

शुक्रवार, 22 मार्च, 2024

वर्ष : 9 । अंक: 247

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

माँ का प्यार सबसे गहरा है, यह निस्वार्थ है. इसे किसी भी तरह से नहीं मापा जा सकता है। - सुभाष चंद्र

TODAY WEATHER

DAY 22° Hi | NIGHT 10° Low

संक्षेप

यूक्रेन की राजधानी पर रूस का मिसाइल हमला, कम से कम आठ लोग घायल

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच रूस ने एक बार फिर गुरुवार तड़के कीव पर मिसाइल हमले किए। इस हमले में कम से कम आठ लोग घायल हुए। वहीं कई आवासीय इमारतें व औद्योगिक प्रतिष्ठान क्षतिग्रस्त हो गए। बताया जा रहा है कि यूक्रेन ने जवाबी हमले किए, जिसके कारण राजधानी में सुबह पांच बजे के आसपास जोरदार धमाके सुने गए। वहीं, हवाई हमले की चेतावनी सुबह छह बजकर 10 मिनट पर समाप्त हुई। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, यह हाल के हफ्तों में यूक्रेन की राजधानी पर हुआ सबसे बड़ा हमला है। हालांकि, फिलहाल नुकसान का पता नहीं चला है। यूक्रेन की सेना ने बताया कि रूस ने हाइपरसोनिक और बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला किया। कीव के पार्षद विताली क्लिट्सको ने बताया कि वायु रक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई कर मिसाइलों को मार गिराया। इन मिसाइलों का मलबा शहर के विभिन्न हिस्सों में गिर गया, जिससे कम से कम तीन आवासीय इमारतों और पार्किंग स्थलों में आग लग गई। हमले को देखते हुए पहले से ही आपातकाली सेवाओं को सतर्क कर दिया गया था। बता दें, हवाई हमला ऐसे समय में हुआ, जब रूसी सेना 600 मील से अधिक की सीमा रेखा के साथ कई स्थानों पर जमीनी हमलों के साथ आगे बढ़ रही है। इस हमले से एक दिन पहले ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा था कि देश को हमलों से बचाने के लिए सैन्य सहायता की आवश्यकता है।

ऋषि सुनक का महत्वकांक्षी रवांडा विधेयक फिर अटका, हाउस ऑफ लॉर्ड्स से नहीं हो सका पास

लंदन। ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक की महत्वकांक्षी योजना 'रवांडा विधेयक' एक बार फिर अटक लगया है। दरअसल बुधवार को ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में विधेयक पर मतदान हुआ, लेकिन यह विधेयक पारित नहीं हो सका। हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्यों ने विधेयक में संशोधन की मांग की है। ऐसे में विधेयक में फिर से संशोधन किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विपक्षी नेताओं के साथ ही, सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी के कुछ नेताओं ने भी विधेयक में संशोधन करने का समर्थन किया है। ब्रिटेन की सरकार का कहना है कि रवांडा विधेयक का उद्देश्य ब्रिटेन में इंग्लिश चैनल से अवैध रूप से आने वाले शरणार्थियों को रोकना है। बीते साल इंग्लिश रूट से 29,437 लोग ब्रिटेन पहुंचे। रवांडा विधेयक के तहत ब्रिटेन की सरकार शरण लेने वाले लोगों को रवांडा भेजेगी, जहां से वे ब्रिटेन में शरण पाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। शरणार्थियों के लिए ब्रिटेन की सरकार ने रवांडा को साल 2023 के अंत में 24 करोड़ पाउंड का भुगतान किया था। रवांडा विधेयक का एलान अप्रैल 2022 में बोरिस जॉनसन की सरकार में किया गया था, लेकिन उसके बाद से यह विधेयक विवादों के चलते लंबित हो रहा है। बीते साल नवंबर में ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने इस विधेयक को लेकर कहा था कि ब्रिटेन में शरण मांगने वाले लोगों के लिए रवांडा सुरक्षित देश नहीं है। इसके बाद सुनक सरकार ने दिसंबर में 'सेफ्टी ऑफ रवांडा विधेयक' सदन में पेश किया। अगर ये विधेयक ब्रिटेन के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स से पास हो गया तो इससे सुप्रीम कोर्ट का फैसला बायपास हो जाएगा।

'हम रेलवे टिकट तक नहीं खरीद सकते': कांग्रेस का खाता फ्रीज होने पर सोनिया, खरगे, राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया और राहुल गांधी भी मौजूद रहे। खरगे ने केंद्र सरकार को केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और चुनावी चंदों के मुद्दों पर घेरा।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि लोकसभा चुनाव घोषित हो चुके हैं। लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि चुनाव निष्पक्ष रूप से कराया जाए। चुनावों में सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर मुहैया कराया जाए। ईडी, आईटी और अन्य केंद्रीय एजेंसियों पर किसी का भी नियंत्रण नहीं होना चाहिए। पिछले कुछ दिनों में सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद चुनावी बॉन्ड का जो डेटा सबके सामने आया है, उससे देश की छवि को नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि चुनावी बॉन्ड को

सुप्रीम कोर्ट ने गैर-कानूनी और असंवैधानिक करार दिया है। उस योजना के तहत मौजूदा सत्ताधारी पार्टी ने अपने खाते करोड़ों-अरबों रुपये से भर लिए। दूसरी ओर साजिश के तहत मुख्य विपक्षी दल के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं, ताकि पैसे के अभाव में चुनाव लड़ने में समान अवसर न मिले। यह सत्ताधारी दल का खतरनाक खेल है, जिसका दूरगामी असर होगा। अगर इस देश में लोकतंत्र को बचाना है, तो एक समान अवसर होना चाहिए।

कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश: सोनिया गांधी

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि इस मुद्दे का असर सिर्फ कांग्रेस पर ही नहीं पड़ रहा है, बल्कि इसका असर हमारे लोकतंत्र को भी मौलिक रूप से पड़ता है। प्रधानमंत्री भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए लगातार कोशिश कर रहे हैं। पार्टी के खाते में जनता से इकट्ठा किया गया पैसा है। हमारे खातों से पैसे जबरदस्ती छीने जा रहे हैं। हालांकि, इन सब चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी हम अपने चुनाव अभियान को जोर-शोर से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। एक तरफ चुनावी बॉन्ड का मुद्दा है, जिसे सुप्रीम कोर्ट असंवैधानिक करार दे चुका है। चुनावी बॉन्ड से भाजपा को भारी लाभ हुआ। दूसरी ओर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की वित्तीय स्थिति को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। हम सभी का मानना है कि यह अलोकतांत्रिक है।

कांग्रेस स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच चाहती है: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मैं यह नहीं बताना चाहता कि भाजपा ने कुछ कंपनियों से पैसे कैसे लिए? चूंकि, सुप्रीम कोर्ट इस मामले की जांच कर रहा है, मुझे उम्मीद है कि सच्चाई जल्द ही हमारे सामने होगी। मैं संवैधानिक संस्थाओं से अपील करता हूं कि अगर वे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहते हैं, तो उन्हें हमें अपने बैंक खातों का इस्तेमाल करने दें। हमें स्वतंत्र रूप से हमारे पैसों तक पहुंचने दिया जाए। कोई भी राजनीतिक दल आयकर के दायरे में नहीं आता है। फिर भी हम पर ऐसे शिकंजा कसने की कोशिश हो रही है।

.07% अनियमितता के लिए कांग्रेस पर 106% जुर्माना लगाया गया: माकन

मामले में कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि यह सिर्फ नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से कांग्रेस पार्टी के खातों पर हमला नहीं है, बल्कि भारत में लोकतंत्र पर भी हमला है। हर राजनीतिक दल को आयकर से छूट दी गई है तो फिर कांग्रेस पर जुर्माना क्यों लगाया जा रहा है और वह भी चुनाव से ठीक पहले? सजा की इतनी है कि .07% अनियमितता के लिए कांग्रेस पर 106% जुर्माना लगाया गया। हमारे बैंक खातों से 115 करोड़ रुपये आई-टी और सरकार को ट्रांसफर कर दिए गए।

अरविंद केजरीवाल शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार

विपक्ष का मोदी सरकार पर वार

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में दंडात्मक कार्रवाई से कोई संरक्षण देने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर पूरा विपक्ष और इंडिया गठबंधन केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर हो गया है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने साफ तौर पर कहा है कि अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे, हैं और आगे भी रहेंगे। वहीं राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि इंडिया गठबंधन इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह गिरफ्तारी नई क्रांति को जन्म देगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट किया, 'रोज़ जीत का झूठा दंभ भरने वाली अहंकारी भाजपा, विपक्ष को हर तरह से चुनाव के पहले ग़ैर क़ानूनी तरीक़े से कमज़ोर करने की कोशिश कर रही है। विपक्षी पार्टियों के नेताओं को ठीक चुनाव से पहले निशाना नहीं बनाया जाता। सच यह है की भाजपा आने वाले चुनाव परिणाम से पहले ही डर गयी है और बौखलाहट में विपक्ष के लिए हर तरह की मुश्किलें पैदा कर रही है। वक्त है बदलाव का ! अबकी बार ...सत्ता के बाहर!!'

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, 'जो ख़ुद हैं शिकस्त के ख़ौफ़ में क़ैद 'वो' क्या करेंगे किसी और को क़ैद भाजपा जानती है कि वो फिर दुबारा सत्ता में नहीं आनेवाली, इसी डर से वो चुनाव के समय, विपक्ष के नेताओं को किसी भी तरह से जनता से दूर करना चाहती है, गिरफ़्तारी तो बस बहाना है। ये गिरफ़्तारी एक नयी जन-क्रांति को जन्म देगी।'

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'डरा हुआ तानाशाह, एक मरा हुआ लोकतंत्र बनाना चाहता है। मीडिया समेत सभी संस्थाओं पर कब्ज़ा, पार्टियों को तोड़ना, कंपनियों से हफ्ता वसूली, मुख्य विपक्षी दल का अकाउंट फ्रीज़ करना भी 'असुरी शक्ति' के लिए कम था, तो अब चुने हुए मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी भी आम बात हो गई है। INDIA इसका मुंहतोड़ जवाब देगा।'

AAP नेता आतिशी ने कहा, 'हमें खबर मिली है कि ईडी ने अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है... हमने हमेशा कहा है कि अरविंद केजरीवाल जेल से सरकार चलाएंगे। वह दिल्ली के सीएम बने रहेंगे। हमने सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया है। हमारे वकील SC पहुंच रहे हैं। हम आज रात सुप्रीम कोर्ट से तत्काल सुनवाई की मांग करेंगे।'

न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने संरक्षण के अनुरोध संबंधी आम आदमी पार्टी (आप) नेता केजरीवाल के आवेदन को 22 अप्रैल को आगे के विचार के लिए सूचीबद्ध किया है। समन को चुनौती देने वाली उनकी मुख्य याचिका पर भी उसी दिन (22 अप्रैल) सुनवाई होगी।

अखिलेश यादव का बयान- भाजपा अब सत्ता में नहीं आने वाली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट साझा की। उन्होंने लिखा कि जो ख़ुद हैं शिकस्त के ख़ौफ़ में क़ैद 'वो' क्या करेंगे किसी और को क़ैद, भाजपा जानती है कि वो फिर दुबारा सत्ता में नहीं आनेवाली, इसी डर से वो चुनाव के समय, विपक्ष के नेताओं को किसी भी तरह से जनता से दूर करना चाहती है, गिरफ़्तारी तो बस बहाना है। ये गिरफ्तारी एक नयी जन-क्रांति को जन्म देगी।

आखिरकार सत्य की जीत हुई

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल 2020-21 से लगातार शराब नीति घोटाले में बहाने बना रहे थे और जिस तरह की राजनीतिक नाटकबाजी वो कर रहे थे उसका आज अंत हो गया है। आज आखिरकार सत्य की जीत हुई है और मुझे विश्वास है।' पूरे युवाओं को शराब की लत में धकेलने की जो साजिश अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार ने रची थी, उसका परिणाम यही होना ही था। सत्य की जीत होनी थी और अरविंद केजरीवाल को उनके पापों की सजा मिलनी ही थी।

लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान के साथ सावधान भी रहें : अखिलेश यादव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज पार्टी कार्यकर्ताओं तथा प्रदेश के अन्य सभी मतदाताओं से आग्रह किया कि वे लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान के साथ सावधान भी रहें। उन्होंने कहा बूथ की रक्षा पर भी ध्यान रहे क्योंकि भाजपा हटेगी तभी देश बचेगा। लोकतंत्र और संविधान बचेगा। अखिलेश यादव ने आज समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ में

डॉ0 राममनोहर लोहिया सभागार में मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा कि पूरे देश की निगाहें उत्तर प्रदेश पर हैं। उत्तर प्रदेश ही लोकसभा चुनाव में महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभाएगा। भाजपा की साजिश और षडयंत्रों से हमें सतर्क और मतदान के साथ सावधान रहना है। भाजपा के किसी भी बहकावे में नहीं आना है। कहा कि भाजपा चंदा वसूली और चंदा चोरी में बेनकाब हो चुकी है। इसी तरह भाजपा ने कोरोना वैक्सीन बनाने वाली दवा कम्पनी तक से चंदा वसूली की है। चंदा वसूली की पोल खुल जाने से बौखलाई भाजपा विपक्ष पर हमलावर है। देश की भोली भाली जनता को पता ही नहीं चला कि वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी से भी चंदा वसूली कर ली गई। भाजपा विपक्षियों के अब कुछ एकाउण्ट सीज कर रही है क्योंकि उसकी चंदा वसूली और चंदा चोरी उजागर हो गयी है। अखिलेश यादव ने कहा कि देश में किसानों को हक दिलाने के लिए चैधरी चरण सिंह जी से बड़ा नेता कोई नहीं रहा। उन्होंने सबसे पहले गरीब, किसान की आवाज उठाई थी और उनको हक दिलाने के लिए संघर्ष किया। हम सब उन्हीं के रास्ते पर चलने का काम मिलकर करेंगे। कहा कि भारतीय जनता पार्टी हटेगी तो देश में लोकतंत्र बचेगा। बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी का बनाया संविधान बचेगा।

'इलेक्शन के बीच में आयोग का काम प्रभावित करना ठीक नहीं', चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर SC से केंद्र को राहत

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मुद्दे पर केंद्र सरकार को राहत मिली है। कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक लगाने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि वह इसको लेकर बाद में विस्तृत आदेश पारित करेगा।

मीटिंग की तारीख बदलने पर सवाल

अदालत ने इस बात पर सवाल उठाया कि चयन कमिटी की मीटिंग को 15 मार्च से बदल कर 14 मार्च कर दिया गया। साथ ही, विपक्ष के नेता को बैठक से कुछ ही देर पहले नाम दिए गए। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर अपना मन लगाने के लिए चयन समिति को अधिक समय दिया जाना चाहिए था। चयन समिति को अधिकारियों की पृष्ठभूमि समझने के लिए उचित समय दिया जाना चाहिए।

हालांकि, कोर्ट ने उम्मीदवारों को तेजी से शॉर्टलिस्ट करने के लिए केंद्र पर सवाल भी उठाए। कोर्ट ने कहा कि तेजी के साथ ही चयन समिति ने दो चुनाव आयुक्तों का चयन कर दिया। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि वह चुने गए चुनाव आयुक्तों की योग्यता पर सवाल नहीं उठा रहा है, बल्कि उस प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है जिसके तहत चयन किया गया। इसको लेकर केंद्र से 6 हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा गया है।

कोर्ट की टिप्पणी

कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि संसद से पास हुए कानून के तहत चुनाव आयुक्तों का चयन हुआ है। हम अंतरिम आदेश से कानून पर रोक नहीं लगाएंगे। चुनाव के बीच में आयोग के काम को प्रभावित करना ठीक नहीं है।

भ्रामक विज्ञापन मामले में पतंजलि ने बिना शर्त मांगी माफी, हलफनामा दायर कर कहा- भविष्य में ऐसा नहीं होगा

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापन के मामले में पतंजलि आयुर्वेद ने माफी मांग ली है। पतंजलति आयुर्वेद के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर बिना शर्त माफी मांगी। हलफनामा में आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि वह ये सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे विज्ञापन आगे से जारी न हों। साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी मंशा सिर्फ देश के नागरिकों को आयुर्वेदिक उत्पादों का इस्तेमाल करते हुए स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना नोटिस का जवाब नहीं देने पर बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को 2 अप्रैल को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पतंजलि और आचार्य बालकृष्ण को अदालत के नोटिस का

जवाब नहीं देने पर कड़ी आपत्ति जताई और नोटिस जारी कर पूछा कि उनके खिलाफ अमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए। अब पतंजलि और आचार्य बालकृष्ण ने हलफनामा देकर माफी मांग ली है।

सुप्रीम कोर्ट में शुरू हुई हेल्प डेस्क

सुप्रीम कोर्ट परिसर में आज हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया गया। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने यह उद्घाटन किया। सुप्रीम कोर्ट को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए एक समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने कई सुझाव दिए, जिनमें दिव्यांगों, वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं समेत सभी नागरिकों की सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच बनाई जा सके। इसी दिशा में आज हेल्प डेस्क की शुरुआत की गई है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह सिर्फ एक शुरुआत है और समिति द्वारा सुझायी गई अन्य सिफारिशों को भी जल्द लागू कर दिया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने गुरुवार को मीडिया एनक्लोजर का भी उद्घाटन किया।

वरिष्ठ वकील गौरव भाटिया से हुई धक्का-मुक्की पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा नेता और वरिष्ठ वकील गौरव भाटिया के साथ नोएडा कोर्ट में हुई धक्का-मुक्की और उनका बैंड छीनने के मामले पर स्वत: संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है और घटना की रिपोर्ट मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने जिला जज, गौतमबुद्ध नगर को निर्देश दिया है कि वे सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखें ताकि उनके साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ ने हो। दरअसल बीते दिन ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित जिला न्यायालय में भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया की कोर्ट परिसर में मौजूद वकीलों से नोकझोंक हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट के वकील गौरव भाटिया सूरजपुर जिला न्यायालय में एक मुकदमे की सुनवाई के लिए पहुंचे थे।

मायावती की मांग – बदायूं कांड के दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई ... पर इसकी आड़ में राजनीति न हो

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बदायूं में दो बच्चों की हत्या की घटना को दुखद करार देने के साथ उसकी निंदा की है। बृहस्पतिवार को एक्स पर जारी अपने बयान में उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि चुनाव के समय कानून-व्यवस्था का माहौल न बिगड़े। साथ ही इसकी आड़ में राजनीति न हो। वहीं, मामले में बच्चों की हत्या के आरोपी जावेद से पुलिस अफसरों ने गहन पूछताछ की। इसके बाद बदायूं में प्रेसवार्ता कर एसएसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि जावेद घटनास्थल पर मौजूद था। पूछताछ में जावेद ने बताया कि उसका बड़ा भाई साजिद बच्चा ना होने के कारण मानसिक रूप से परेशान रहता था। वह बच्चों से नफरत करता था और कई बार वह बच्चों को देखकर आक्रोशित हो जाता था। पूछताछ में यह भी पता चला है कि साजिद ने घटना वाले दिन चाकू भी खरीदा था। घटना के दिन साजिद के साथ जावेद बाइक लेकर पहुंचा और संगीता के घर के नीचे खड़ा हो गया। जबकि साजिद मकान के अंदर चला गया। जब यह देखा कि उसने दो बच्चों की हत्या कर दी है तो वह बाइक लेकर भाग गया और घर पहुंचा। घर से दिल्ली के लिए चला गया। पता चला कि पुलिस उसको ढूंढ रही है तो वह बृहस्पतिवार को बरेली पहुंचा और पुलिस के पास जा रहा था कि टेंपो में ही दो लोगों ने रोक लिया और पुलिस को सूचना देकर पकड़वा दिया।

चिकित्सकों की लापरवाही से नवजात शिशु की मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जगदीशपुर/अमेठी। विभागीय आला अफसरों की उदासीनता के चलते क्षेत्र मे कुकुरमुत्ता की तरह फैले नर्सिंग होमों में मरीजों के साथ खुलेआम लूट जारी व बोलने पर तीमारदारों के साथ अभद्रता व चिकित्सकों की लापरवाही से ब्रहस्पतिवार को एक नवजात शिशु की मौत हो गई जिसपर भुक्तभोगी द्वारा थाने मे तहरीर देकर कठोर कार्रवाई की मांग की।

थानाक्षेत्र के अंतर्गत पुलिस बूथ गुलाबगंज से चंद कदमों की दूरी पर केनरा बैंक के बगल स्थित सिटी हास्पिटल मे उस वक्त हंगामा बरपा हो गया जब चिकित्सकों की घोर लापरवाही के चलते एक नवजात शिशु की दर्दनाक मौत हो गई। भुक्तभोगी की तहरीर के अनुसार थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक के अंतर्गत स्थित ग्राम पूरे दला मजरे इमलीगांव चूंपी निवासी सुभाष कुमार ने थाना जगदीशपुर मे तहरीर देकर

आरोप लगाया कि मैं अपनी पत्नी को एक दिन पूर्व डिलेवरी कराने हेतु सिटी हास्पिटल मे भर्ती कराया था जहां दूसरे दिन चिकित्सकों की लापरवाही के चलते नवजात शिशु ने दम तोड दिया जबकि पूर्व मे सबकुछ ठीक ठाक था अचानक मौत की खबर से हम परिवारीजन बेहद दुखी हैं लापरवाही बरतने वाले चिकित्सकों पर कड़ी कार्यवाही चाहिए ।वहीं बताते चलें कि क्षेत्र मे नर्सिंग होमों की भरमार हो गई है चिकित्सको की लापरवाही के कारण जब भी मौतें होती हैं तो उन्हें डरा धमकाकर चोरी चुपके मृतक के तीमारदारों को हास्पिटल से घर जाने का रास्ता दिखा दिया जाता है यदि मरीज की मौत के बाद तीमारदार कार्यवाही के लिए थाने पर तहरीर देते हैं तो उन्हे हास्पिटल स्टाफ प्रलोभन देकर सुलह समझौता कराने मे पीछे नही रहते।

पूर्व मे मौत की कई घटनाए कुछ नर्सिंग होमों मे घटित हो चुकी थी जिसमे एफआईआर दर्ज होने के बाद भी मामला खटाई मे पडा हुआ है गौरतलब हो कि यदि आला अफसरों ने गौर ना किया तो इसी तरह मानक के विपरीत चल रहे नर्सिंग होमों मे कमाऊ जरिया चटकता रहेगा मरीज बेमौत मौत के घाट उतरकर स्वर्ग से विभागीय अफसरों को कोसते रहेंगे ।इस संबंध मुख्य चिकित्साधिकारी अमेठी अंशुमान सिंह ने बताया कि घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित कर घटना की जांच के उपरांत दोषी पाए जाने वालों पर कडी कार्यवाही की जाएगी । जिस किसी की लापरवाही के कारण जब भी मौतें होती हैं तो उन्हें डरा धमकाकर चोरी चुपके मृतक के तीमारदारों को हास्पिटल से घर जाने का रास्ता दिखा दिया जाता है यदि मरीज की मौत के बाद तीमारदार कार्यवाही के लिए थाने पर तहरीर देते हैं तो उन्हे हास्पिटल स्टाफ प्रलोभन देकर सुलह समझौता कराने मे पीछे नही रहते।

पूर्व मे मौत की कई घटनाए कुछ नर्सिंग होमों मे घटित हो चुकी थी जिसमे एफआईआर दर्ज होने के बाद भी मामला खटाई मे पडा हुआ है गौरतलब हो कि यदि आला अफसरों ने गौर ना किया तो इसी तरह मानक के विपरीत चल रहे नर्सिंग होमों मे कमाऊ जरिया चटकता रहेगा मरीज बेमौत मौत के घाट उतरकर स्वर्ग से विभागीय अफसरों को कोसते रहेंगे ।इस संबंध मुख्य चिकित्साधिकारी अमेठी अंशुमान सिंह ने बताया कि घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित कर घटना की जांच के उपरांत दोषी पाए जाने वालों पर कडी कार्यवाही की जाएगी।

आगामी लोकसभा चुनाव में कोई भी कार्यकर्ता पदाधिकारी किसी प्रत्याशी पार्टी का प्रचार नहीं करेगा : भाकियू

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। आगामी लोकसभा चुनाव में कोई भी कार्यकर्ता पदाधिकारी किसी प्रत्याशी पार्टी का प्रचार नहीं करेगा और चुनावी समय में गांव में पंचायत/ चौपाल लगाकर, सदस्यता अभियान चलाकर संगठन को मजबूत किया करेगा जिसके लिए उच्च पदाधिकारी ने ब्लॉकों का गोद लिया है। उक्त निर्णय भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत जिला अध्यक्ष राम गणेश मौर्य की अध्यक्षता में शहीद उद्यान में लिया गया। पंचायत को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा निर्णय लिया गया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में किसी भी पार्टी प्रत्याशी का प्रचार नहीं किया जाएगा और ना ही किसी का समर्थन किया जाएगा भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता पदाधिकारी चुनावी समय का सदुपयोग करते हुए गांव में पंचायत चौपाल लगाकर ,सदस्यता अभियान चलाकर संगठन को मजबूत करेंगे। जनपद में भारतीय किसान यूनियन को मजबूत करने के उद्देश्य से उच्च पदाधिकारियों द्वारा ब्लॉकों को गोद लिया गया है। घनश्याम वर्मा विकासखंड बीकापुर, सूर्यनाथ वर्मा विकासखंड सोहावल, राम गणेश मौर्य विकासखंड तारुन व मसौधा, देवी प्रसाद वर्मा विकासखंड हरिग्टन गंज, राजेश मिश्रा विकासखंड मिल्कीपुर शंकरपाल पांडे राजदेव यादव विकासखंड अमानीगंज, राम अवध किसान विकासखंड पूरा बाजार, भोला सिंह टाइगर विकासखंड रुदौली, रवि शंकर पांडे विकासखंड मवई को गोद लिया है। पंचायत में यह अभी तय किया गया है कि 23 मार्च को शहीद उद्यान में शहीद प्रतिमा के सामान्य शहादत दिवस मनाया जाएगा।

सरकारी जमीन से अवैध प्लाटिंग हटवाने की मांग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। शहर के सुनियोजित विकास की जिम्मेदारी संभालने वाले अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष से अधिवक्ता व सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण दुबे ने सोहावल क्षेत्र के बनवीरपुर, अब्बू सराय व हाजीपुर में जमीन कारोबारियों द्वारा की जा रही मानक के विरुद्ध प्लाटिंग और उसमें शामिल सरकारी जमीनों पर किये जा रहे अवैध कब्जे को मुक्त कराने तथा की गई प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की मांग शिकायती पत्र देकर की है।

अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को दिए गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि नगर निगम क्षेत्र के तहत आने वाले इलाकों में भूमाफियाओं द्वारा मानक के विरुद्ध सिर्फ प्लाटिंग ही नही की जा रही बल्कि सरकारी नाली,बंजर,खलिहान आदि की जमीनों को भी अवैध प्लाटिंग में शामिल कर सरकारी जमीन का दुरुपयोग किया जा रहा है। पत्र में कहा गया है कि भूमाफिओ द्वारा बनवीरपुर के गाटा संख्या 586,589,590,592, पर अवैध प्लाटिंग किया गया है। प्लाटिंग तक जाने के लिए बेखौफ भूमाफियाओं ने गाटा संख्या 585,581 जोकि सरकारी नाली के नाम दर्ज है उसकी प्रकृति बदलकर अवैध प्लाटिंग किया जा रहा है। इसी प्रकार गाटा संख्या 523 व 518 पर जमीन कारोबारी उमेश उपाध्याय ने प्लाटिंग करने के लिए सरकारी नाली गाटा संख्या 518 को अवैध रूप से कब्जा करके रास्ता बना लिया गया है। गाटा संख्या 514,553,858 से सटे भूखंड 857 जोकि सरकारी नाली है तथा गाटा संख्या 847 पर जाने के लिए खलिहान गाटा संख्या 846 को अवैध कब्जा करके रास्ता बना दिया गया है। गाटा संख्या 790,792,795,797, के बीच मे पड़ने वाली नाली गाटा संख्या 796 दक्षिण दिशा में वृक्षारोपण हेतु सरकारी भूमि संख्या 862 पर अवैध कब्जा कर लिया गया है।

इतना ही नही मनबढ़ भूमाफियाओं ने सरकारी आदेशो की धज्जियां उड़ाते हुए गाटा संख्या 839 पर अवैध कब्जेदारी का प्रयास जारी रखा है। इसी प्रकार गाटा संख्या 471,475,473,472,476 पर भी अवैध प्लाटिंग की जा चुकी है। गाटा संख्या 283,285,307,310,309, में जाने के लिए भूमाफियाओं ने गाटा संख्या 295,297 जोकि बंजर के रुप में दर्ज है उस पर अवैध कब्जा करके रास्ता निकाल दिया गया है। हाजीपुर में गाटा संख्या 516,517,523,525 में कई गयी प्लांटिंग के लिए खलिहान गाटा संख्या 524 से रास्ता निकाल दिया गया है। अब्बू सराय में गाटा संख्या 1,7,8,309,310,311 पर भी अवैध प्लाटिंग का काम जारी है।

व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में होली फेस्ट का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा होली फेस्ट का भव्य आयोजन किया गया। इसमें सर्वप्रथम छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों को अबीर लगाकर आशीर्वाद लिया। उसके उपरांत एक दूसरे पर अबीर, गुलाल एवं फूलों की जबरदस्त होली खेली। होली के मधुर गीतों ने सभी को डांस करने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान सभी छात्रो ने एक दूसरे के गले मिल वादा किया कि अगले वर्ष यह वृहद स्तर पर आयोजित कर अयोध्या की होली को विश्व स्तरीय पहचान देंगे।व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने छात्रों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन करते रहना चाहिए। इससे व्यक्तित्व का विकास होता है। उन्होंने कहा कि होली सौहार्द का त्यौहार है जो आपस में भाईचारा बढ़ाता है। प्रो. शैलेन्द्र वर्मा ने छात्र छात्राओं को होली की बधाई दी और कहा कि विभाग के छात्रों के द्वारा होली फेस्ट का आयोजन कर एक अच्छा कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आप सभी को विश्वविद्यालय में होने वाले सभी कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ का हिस्सा लेते रहना चाहिए जो आपके अंदर कॉफिडेन्स डेवेलप करता है। डॉ. राना रोहित सिंह ने सभी को होली की बधाई दी और कहा रंगों का उत्सव आप सबके जीवन में खुशियों के रंग भर दें। इस कार्यक्रम का आयोजन उत्कर्ष सिंह, अमित शुक्ला, आर्यन तिवारी, शिवांगी दुबे, शगुन सिंह, रिशिका जायसवाल, कंचन, सलिल, मुस्कान, शशांक, शनि, आयुष आदि छात्र-छात्राओं के द्वारा किया गया।

पूर्व प्रधान के पुत्र पर बाइक सवार युवकों ने किया हमला, जिला अस्पताल में मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मवई-अयोध्या। रूदौली सर्किल के बाबाबाज़ार थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े बाइक सवार तीन युवकों ने डंडे से प्रहार कर पूर्व ग्राम प्रधान के पुत्र की हत्या कर दिया।घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। स्थानीय पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है।मामला मवई ब्लाक के गणेशपुर गांव का है।हमलावरों में एक युवक की पहचान होने की बात सामने आ रही है।जो गांव का निवासी बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे बाबा बाजार थाना क्षेत्र के गनेशपुर गांव में पूर्व प्रधान के पुत्र सिकंदर अहमद पुत्र हमीद उम्र 38 वर्ष गांव में ही स्थित अपनी बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान पर अपने चाचा के लड़के के साथ बैठे हुए थे।इसी बीच बाइक से आए तीन युवकों ने डंडे से सिकंदर पर

पीछे से वार कर दिया।जिसके बाद वह मुंह के बल गिर गए इस घटना को देखकर जब सिकन्दर के चचेरे भाई अशरफ ने हल्ला गुहार मचाया तो बाइक सवार घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर भाग गए।

घटना की सूचना परिजनों को होते ही आनन फानन में सीएचसी ले गए जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रिफर कर दिया,जिला अस्पताल में इलाज के दौरान सिकन्दर अहमद की मौत हो गई।घटना की सूचना पर पुलिस फोर्स घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक घटना में शामिल गांव के ही एक युवक की पहचान हुई है जबकि दो अन्य की पहचान नही हो सकी है।मृतक सिकंदर की माता हसीरुल निशा वर्ष 2005 से 2010 व 2015 से 2020 तक गनेशपुर के ग्राम प्रधान थी जिनका पूरा कार्य सिकन्दर देखते थे।सिकंदर अहमद की गांव में जनता के बीच अच्छी पकड़ बताई जा रही है।हालांकि घटना के पीछे की वजह स्पष्ट नही हो पाई है।सूचना पर सीओ रुदौली आशीष निगम ने घटनास्थल का जायजा लिया और घटना के अनावरण के लिए टीमो का गठन किया है।घटना के संबंध में बाबाबाज़ार थानाध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि प्रधान पुत्र की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई।जिले से ही शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।वहीं सीओ आशीष निगम ने बताया कि घटना के अनावरण के लिए अलग अलग टीमों को लगाया गया है जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

दीनी खिदमात के लिए मौलाना मोहम्मद मोहसिन साहब को अंजुमन गुनच ए मज़लूमिया फैज़ाबाद ने किया सम्मानित

अयोध्या। अंजुमन गुनच ए मज़लूमिया फैज़ाबाद की जानिब से हर साल की तरह इस साल भी रमज़ान मुबारक के महीने मे वसीका अरबी कालेज में चल रहे दीनी क्लासेस के नवे दिन मौलाना मोहम्मद मोहसिन को दिनी खिदमात के लिए हिन्दुस्तान की मशहूर अंजुमन गुनच ए मज़लूमिया फैज़ाबाद ने सम्मानित किया , अंजुमन के पूर्व अध्यक्ष हामिद जाफर मीसम, अध्यक्ष अहमद ज़मीर सैफी, उपाध्यक्ष रिजवान हसनैन व आरिफ आबिदी ने मोमेंटो व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया, इस मौके पर मौलाना मो मोहसिन ने कहा कि क़ौम का नौजवान जब तक दीनी क्लासेज मे रहता है बहुत सी बुराईयो से बचता है व उसकी शिक्षा में और बढ़ोतरी होती है , शिक्षा एक ऐसी चीज है जो आपको किसी के आगे झुकने पर मजबूर नही करेगी।

राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता पर गर्व महसूस होता है : कृपाशंकर सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जौनपुर। जौनपुर लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए भाजपा के मोर्चों के जिलाध्यक्ष एव मोर्चा के जिला पदाधिकारियों एव मंडल अध्यक्ष के साथ लोकसभा प्रत्याशी की एक परिचयात्मक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने किया। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की सुभारम्भ की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा बंदे मातरम का गीत गाया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 10 वर्ष सफलतापूर्वक भारत की संकल्पना को साकार किया है। मोदी के परिवर्तनकारी नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की आकांक्षा को प्रभावी और

सुनियोजित तरीके से पूरा किया है। हमें राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता पर गर्व महसूस होता है। भारतीय के जीवन को बदलते हुए देखते हैं तो हमें खुशी होती है। हमारी सरकार हमारे राष्ट्र को सशक्त बना रही है और समृद्धि की नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रही है। आज मोदी के नेतृत्व में देश में एक नई राजनीति की शुरुआत हुई है जिसने आम नागरिकों की भावना को समेट लिया है।कार्यकर्ताओं से मोदी सरकार के सफल 10 साल के कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का आग्रह किया। ये उक्त बातें संयुक्त मोर्चा को संबोधित करते हुये लोकसभा के प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने की।

संयुक्त मोर्चा की भूमिका पर भी चर्चा करते हुये कृपा शंकर सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव मे आम जनता से संवाद स्थापित करिये और पूरी टीम के साथ हम अपने रिपोर्ट कार्ड को लेकर जनता के बीच जाये। केंद्र में एक बार फिर दोबारा से माननीय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बने, इसके लिए प्रदेश की जनता से आग्रह करें। उन्होंने दावा किया कि जिस तरह से भाजपा की स्थिति और संकल्प है उस हिसाब से उत्तर प्रदेश की 80 की 80 सीटें जीतेंगे। विधानसभा प्रभारी नागेश्वर पाण्डेय ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार आज गरीब पिछड़े व अंन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। प्रधान मंत्री जी ने दूर-दराज के लोगों को जहां पीने के पानी के दिये वही महिलाओं को खाना बनाने में हो रही दिक्कत को दूर करने के लिए निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया जा रहा है। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने मोर्चा के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी अपने अनुशासित कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और गतिशीलता के दम पर पिछले सभी रिकार्डों को तोड़ते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव में ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करेगी उन्होंने मोर्चा के पदाधिकारियो से लोकसभा चुनाव में जुटने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन सुनील तिवारी ने की।

संदिग्ध परिस्थियो में छात्रा का गांव किनारे तालाब में मिला शव

अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिर्रा मोहम्मदपुर निवासी बीएससी एजी की छात्रा करीब 19 वर्षीय रूची यादव पुत्री संतोषकुमार का शव संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे लाइन के बगल गांव के पीछे तालाब से बरामद हुआ। युवती का शव मिलने से क्षेत्र में हडकंप मच गया। परिजनों के अनुसार बुधवार की शाम को पशुओं का चारा लेने गई बीएससी की छात्रा रुचि यादव अचानक लापता हो गई। काफी खोजबीन छात्रा नही मिली और उसका मोबाइल फोन बंद पाया गया। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए रौनाही थाना पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराकर तालाश की जा रही थी। इस बीच गुरुवार को सुबह युवती के चाचा अशोक कुमार ने भतीजी का शव रेलवे लाईन के किनारे तालाब में देखा। इसके बाद गांव के बाहर तालाब से युवती का शव पाए जाने की सूचना पर पुलिस महकमे के साथ एसपीआरए अतुलकुमार सोनकर, प्रशिक्षु सीओ अरूणकुमार सिंह घटना स्थल पर पहुंचकर फोरेंसिक टीम के साथ मौका मुआयना किया।

भाकियू राष्ट्रीयतावादी ने कृषि भूमि किसानों से लेकर व्यापारियों को सौंपने का किया विरोध :नरेन्द्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयता वादी के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में सैकड़ो किसानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित दो सूत्री ज्ञापन आयुक्त महोदय मंडल अयोध्या को सौंपा।

ज्ञापन में किसानों की कृषि योग्य भूमि बार-बार लिए जाने पर विरोध जताते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की सरेठी, बैसिंह, कुशमाहे, ददेरा, अटरावा कि किसानों की भूमि जिस पर अनाज उत्पन्न कर किसान सभी का भरण पोषण करता है और सरकार ऐसी जमीनों का भी अधिग्रहण नहीं करती, इसलिए अधिग्रहण के नियमों की अनदेखी करते हुए सीधे किसानों से सहमति का आधार बनाकर जबरन भूमि हड़प कर व्यापारियों को सौंपने का कार्य किया जा रहा है, इन पांचो गांवो में बसे तमाम आवासीय भवनों के स्वामियों को भी भूमियों का पैसा नहीं दिया जाता जिससे गरीब किसान जो पहले से ही दुख और कर्ज के बोझ से दबा है वह आत्महत्या के लिए विवश किया जा रहा है इस बात का हमारा संगठन विरोध करता है आयुक्त महोदय के माध्यम से प्रदेश के मुखिया योगी जी को ज्ञापन सौंपा गया है यदि जल्द इसका निराकरण नहीं कराया गया तो संगठन बड़े पैमाने पर अधिकारियों को घेर कर दबाव बनाकर कार्य करने के लिए विवश होगी। जबकि किसान शांति प्रिय व्यक्ति है वह दूसरों का भरण पोषण करता है जबकि उसके उलट प्रशासनिक अधिकारी किसानों को उजड़ने पर तुले हैं। आज ज्ञापन सौंपने में नरेंद्र कुमार तिवारी प्रदेश अध्यक्ष, शिवप्रसाद पांडेय, पार्वती देवी, शांति देवी, गीता देवी सहित सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

स्वयं सहायता समूहों की मदद से शहरी क्षेत्र में सुदृढ़ करें स्वास्थ्य कार्यक्रम : डॉ एके चौधरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवा, परिवार नियोजन कार्यक्रम, संचारी रोगों की रोकथाम और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं को शहरी क्षेत्र में मजबूती प्रदान करने में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की अहम भूमिका हो सकती है। समुदाय स्तर पर इन समूहों के साथ समन्वय स्थापित कर स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सुदृढ़ किया जाए। यह बातें अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आरसीएच डॉ एके चौधरी ने कहीं। वह बुधवार की शाम को उनके कक्ष में हुई शहरी समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। एसीएमओ आरसीएच ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उन अभियानों से भी जोड़ा जाए जिनके तहत प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है। समुदाय स्तर पर जब भी कोई बैठक हो, समूह की सदस्यों को भी आमंत्रित किया जाए । शहरी क्षेत्र में विभिन्न समूहों से जुड़ कर करीब बाइस हजार से अधिक महिलाएं काम कर रही हैं जो स्वास्थ्य सेवा सुदृढ़ीकरण में अहम योगदान दे सकती हैं। स्वयंसेवी संस्था पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशन (पीएसआई) इंडिया के सहयोग से हुई इस बैठक में निजी क्षेत्र की मदद से परिवार नियोजन कार्यक्रम को सुदृढ़ करने के बारे में विशेष तौर पर चर्चा हुई। डॉ चौधरी ने कहा कि परिवार नियोजन की उपलब्ध सेवाओं के बारे में शहरी स्वास्थ्य केंद्रों और निजी अस्पतालों में परामर्श के पक्ष को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने आशा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के बीच समन्वय मजबूत बना कर काम करने के लिए कहा। निजी अस्पतालों के जरिये परिवार नियोजन की अस्थायी सेवाएं सरकारी प्रावधानों के तहत उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया। बैठक में शहरी स्वास्थ्य मिशन के समन्वयक सुरेश सिंह चौहान, चिकित्सक डॉ एके वर्मा, किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की समन्वयक डॉ अर्चना, क्वालिटी सेल से विजय श्रीवास्तव, टीबी डिपार्टमेंट से धर्मवीर प्रताप सिंह, मिर्जा आफताब बेग, पीएसआई इंडिया संस्था की प्रतिनिधि कृति पाठक, प्रियंका सिंह, आईसीडीएस, एनयूएलएम, फॉग्सी और सीफार के प्रतिनिधिगण भी मौजूद रहे।

हर तीन माह पर होती है बैठक

प्रतिभागी चिकित्सक डॉ एके वर्मा ने बताया कि प्रत्येक तीन माह पर समन्वय समिति की बैठक की जाती है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं को मजबूती प्रदान करना है। इस बार भी कार्यक्रम की बाधाओं के बारे में चर्चा हुई और उनके संभावित समाधानों के बारे में भी बात हुई। स्वयं सहायता समूहों का भी योगदान लेने के लिए कहा गया है। इस संबंध में समूहों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

शहरी स्वास्थ्य सेवा की स्थिति

बारह लाख से अधिक आबादी वाले गोरखपुर शहर को 23 शहरी स्वास्थ्य केंद्रों और 40 क्रियाशील आयुष्मान आरोग्य मंदिर के जरिये स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। इन सेवाओं से जोड़ने के लिए 335 आशा कार्यकर्ता शहरी क्षेत्र में कार्य कर रही हैं । इन स्वास्थ्य केंद्रों के जरिये प्रसव पूर्व जांच, नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन सेवाएं, बुखार के रोगियों की जांच व इलाज जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

गोवंश को बचाने आए गौ रक्षक दल एवं बजरंग दल कार्यकर्ताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

जलेसर/एटा। थाना सकरौली क्षेत्र के अंतर्गत गांव पायदापुर होकरनिकल रहे राजस्थानी गोवंश को बचाने के लिए मौके पर पहुंचे गौ रक्षक दल एवं बजरंग दल कार्यकर्ताओं के साथ हुई मारपीट राजस्थानी महिला के द्वारा बजरंग दल गौ रक्षक दल कार्यकर्ताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई घटनाक्रम के अनुसार सर्दियों समाप्त होते ही गर्मी का मौसम आने पर राजस्थान से राजस्थानियों के द्वारा सैकड़ो का गोवंश लेकर उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाके में आते हैं और गोवंश को चराने के लिए लाते थे गौ रक्षक दल एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को जानकारी मिली थी कि गोवंश को काटने के लिए महिला ले जा रही है इसी को लेकर कार्यकर्ता गांव पायदापुर पहुंचे जहां गोवंश को देखकर उन्होंने गोवंश के साथ जारी महिला से कहा सुनी की और उसके कागजात मांगे तो वह हडवडा गई कहां सूनी होने पर महिला वहां से हट गई।

10 करोड़ लेकर भागी कंपनी के सात कर्मियों पर मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गाजियाबाद। रॉयल फाइन इंडिया निधि लिमिटेड नामक कंपनी खोलकर लोगों से रुपये निवेश कराकर 10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाली कंपनी के सात लोगों के खिलाफ तीन दिन बाद बुधवार को विजयनगर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। जिसमें करीब एक हजार लोगों से धोखाधड़ी की बात कही गई है। पुलिस मुख्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस को जांच में पता चला कि कंपनी 2019 से संचालित की जा रही थी। दो महीने से कंपनी में गबन करने की हलचल शुरू हो गई थी।

पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला कि कंपनी में 30 लोग सेल्स टीम में काम करते थे। इनके अलावा चार टीम लीडर भी थे। मोदीनगर के रहने वाले कंपनी के प्रबंधक विशाल उपाध्याय का पिता ओमपाल उपाध्याय भी कंपनी में कार्यरत था। इसने मोदीनगर के भी सैकड़ों लोगों को कंपनी से जोड़कर उनकी मेहनत की कमाई निवेश कराकर धोखाधड़ी की है। एसीपी कोतवाली प्रियाश्री पाल ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कंपनी से जुड़े कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। मुख्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। उनके पकड़े जाने पर ही इसका खुलासा होगा। नसरतपुरा के रहने वाले आकाश यादव की ओर से पुलिस ने कंपनी मालिक सैय्यद मोहम्मद जफीर मलिक, उसके भाई सैय्यद मोहम्मद अहसान मलिक, प्रबंधक विशाल उपाध्याय, अकाउंट हेड पूजा, समीर सैफी, ललित चौधरी और एएसएम साहिल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कंपनी में निवेश करने वाले हजारों लोग हैं। जैसे-जैसे उन्हें कंपनी द्वारा धोखाधड़ी करने का पता चल रहा है वे थाने-चौकी और अधिकारियों के कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं।

फिजियोथैरेपी चिकित्सा विधि से मरीजों को मिल रहा काफी आराम

अयोध्या। जिला चिकित्सालय में फिजियोथैरेपी विभाग में मरीजों का उपचार करते हुए डॉक्टर अनिरुद्ध कुमार चौधरी ने बताया कि मरीज रेनू 40 वर्षीय व अनम खान 25 वर्षीय जो गर्दन दर्द से पीड़ित थी उनका उपचार फिजियोथैरेपी चिकित्सा विधि से सर्वाइकल ट्रेक्शन शॉर्ट वेव ड्राई थर्मी और गर्दन व्यायाम के लिए मरीज को बताया गया मरीजों ने बताया कि इस थैरेपी से गर्दन के दर्द में काफी आराम मिला है। डॉ अनिरुद्ध ने बताया गर्दन के दर्द में नियमित व्यायाम करने से और हार्ड तकिया का प्रयोग न करने तथा गर्दन को आगे झुककर अधिक समय तक कार्य न करें समय-समय पर गर्दन पर गर्म पानी से सिकाई करते रहें जिससे गार्डन के जकड़न से बचा जा सकता और गर्दन के दर्द को निजात मिल सकता है।

पुलिस कर्मियों की छुट्टी पर 27 मार्च तक रोक

होली को लेकर डीजीपी ने जारी किया दिशा निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। होली को देखते हुए यूपी के सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टियां 27 मार्च तक रद्द कर दी गई हैं। 22 मार्च से 27 मार्च तक किसी प्रकार का अवकाश पुलिस कर्मी नहीं ले सकेंगे। यूपी डीजीपी प्रशांत कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। इस आदेश को सभी पुलिस कमिश्नरों और जिले के कप्तानों को भेज दिया गया है। आदेश में साफ किया गया है कि इन दिनों जो पुलिस कर्मी अवकाश पर हैं उन्हें तत्काल प्रभाव से वापस बुलाया जाए। डीजीपी ने कहा है कि अति आवश्यक कार्य या आपातकाल में ही इस दौरान छुट्टी स्वीकृत की जाएं।

इसके अलावा होली के पर्व को देखते हुए पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार की तरफ से पुलिस विभाग को कई दिशा निर्देश जारी किया गया है।

डीजीपी ने कहा कि होली पर्व के दृष्टिगत जनपद के धर्मगुरु कार्य जुलूस आजक शान्ति समितियों तथा अन्य ग्रासगिक व्यक्तियों के साथ जनपद के परिषत अधिकारियों तथा मजिस्ट्रेट द्वारा पूर्व से गोभी कर ली जाये त्यौहार से सम्बन्धित समस्थानी का सत्कार विधिसम्मत निराकरण कर लिया जाये। किसी नई परम्परा की अनुमति न दी जाये तथा प्रत्येकाने रजिस्टर में उपलब्ध प्रविष्टियों का अवलोकन कर विगत वर्षों में होली के अवसर पर होलिका दहन एवं रंगोत्सव आदि के दौरान हुये विवाद प्रकरण की सूची बनाकर उनका समय निवारण बना लिया जाय।

होली नुजूम के गार्यों पर अधिक से अधिक पुलिस बल के साथ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पूर्व से ब्लैग मार्च व एरिया डॉमिनेशन की कार्रवाई कर लिया जाये। होली जुलूसों में बाक्स फार्मेंट विलायमेन्ट व विदनशील स्थानों पर कर ड्यूटी लगायी जाये तथा कार्यक्रमों में सम्भावित भीड़ का आंकलन किया जाए।

सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म की निरंतर मानीटरिंग की जाये तथा उन पर और अधिक सर्तक दृष्टि रखी जाए। यूपी112 के पीआरवी तथा पुलिस अन्य पैट्रोलिंग वाहनों द्वारा चेकिन करायी जाए। रेलवे स्टेशनों बस टेशनों बाजार, बीड़-भाड़ वाले स्थान आज स्थल द्विस का पूर्वाभ्यास करा लिया। आगामी लोकसमा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत आदर्श आधार संहिता का सम्पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु जनपद के सभी पुलिस कर्मियों की यथोचित ब्रीफिंग की जाये, होली पर्व और रमजान माह के कार्यक्रम में कहीं भी आदर्श आधार संहिता का होने पाये।

चौराहे पर एआरटीओ का ताबड़तोड़ चेकिंग अभियान

लखनऊ। लखनऊ के ट्रांस गोमती एरिया के पॉलीटेक्निक और कमता चौराहे के आसपास दोपहर के समय उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एआरटीओ प्रवर्तन अमित राजन राय अपनी टीम के साथ वहां पर अनधिकृत वाहनों के संचालन को लेकर चेकिंग अभियान करने पहुंच गये।

इस दौरान उनकी अगुवाई में बीते एक माह में कुल ऐसे 33 निजी वाहन पकड़े गये जोकि कहीं न कहीं कॉमर्शियल रूप से सड़कों पर दौड़ते नजर आये। ऐसे में उनकी टीम ने सुल्तानपुर रोड स्थित अहिमा मऊ और एयरपोर्ट पर संचालित होने वाले अनधिकृत वाहनों को पकड़कर कार्रवाई की।

अवैध शराब अड्डों पर चला आबकारी टीम का हथौड़ा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत आज दिनाँक 21.03.2024 को संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ महोदय, उप आबकारी आयुक्त लखनऊ , जिला आबकारी अधिकारी लखनऊ के निर्देशन में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र - 4 मयस्टॉफ थाना माल अंतर्गत ग्राम बा जा र गाँ व , वी र पु र , ना रू खेड़ा,रामनगर में आम के बागों,खेतों सहित संदिग्ध स्थानों पर दबिश और छापेमारी की गई। दौरान दबिश मौक़े से किसी प्रकार की अवैध मदिरा या लहन की बरामदगी नहीं हुई। क्षेत्र में प्रवर्तन कार्य आगे भी जारी रहेगा।

आचार संहिता लगने के बाद 67 .46 करोड़ रुपये किए गए सीज, चप्पे चप्पे की जांच के लिए 2254 चेक पोस्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में चुनाव आचार संहिता लगने के बाद 20 मार्च तक 67.46 करोड़ रुपये कैश जब्त किया गया। चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 24.59 लाख से ज्यादा प्रचार-प्रसार सामग्री हटाई गई। सघन जांच के लिए 508 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट और 1746 चेक पोस्ट राज्य के भीतर सक्रिय हैं। इसके अलावा प्रदेश स्तर पर 1904 उड़न दस्ते और प्रवर्तन एजेन्सियों के 732 दल निगरानी कर रहे हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने ये जानकारी दी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक 20 मार्च को बाराबंकी की जैदपुर विधानसभा क्षेत्र में 61 लाख रुपये की 305 ग्राम ड्रग पकड़ी गई। 20 मार्च तक 2,54,758 लाइसेंसी शस्त्र जमा कराये गए। अपराधियों के 279 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए गए। 3,420 लाइसेंसी शस्त्र निरस्त कर जमा कराए गए। सीआरपीसी के तहत 5,18,471 लोग पाबन्द किए गए।

पुलिस विभाग द्वारा 1004 बिना लाइसेंसी अवैध शस्त्र, 1007 कारतूस, चार किलो विस्फोटक व 70 बम बरामद, अवैध शस्त्र बनाने वाले 174 केन्द्र सीज किए गए। प्रदेश स्तर पर 1904 उड़न दस्ते और प्रवर्तन एजेंसियों के 732 दल निगरानी कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि वाहनों के दुरुपयोग पर 136 और लाउडस्पीकर के दुरुपयोग पर 373 कार्यवाही की गयी। गैर कानूनी सभा, भाषण एवं अन्य मामलों में पांच एफआईआर दर्ज की गईं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के प्रभावी अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी एवं नार्कोटिक्स व अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। अवैध शस्त्र बनाने वाले 174 केन्द्रों पर पुलिस ने छापा मारकर 34 केन्द्र सीज किए।

फूड प्वाजनिंग : नवाबीनगरी में रसूख के आगे नहीं चली गांधीगिरी !

मोती महल रेस्टोरेंट के छोले भटूरे खाकर फूड प्वाजनिंग का शिकार हुआ था युवा अधिवक्ता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। तहजीब, नज़ाकत, नफासत और अपनी खास मेहमाननवाजी के लिये पूरे देश-दुनियां में मशहूर राजधानी लखनऊ जिसे नवाबों का शहर भी कहा जाता है या फिर नवाबी नगरी भी बोला जाता है, फिलहाल यहां पर किसी के रसूख के आगे गांधीगिरी नहीं चल पाई। दरअसल, मामला यह है कि तकरीबन एक हफ्ते पहले शहर के एक युवक जोकि पेशे से अधिवक्ता हैं, उन्होंने हजरतगंज के नामीगिरामी मोती महल रेस्टोरेंट में छोले भटूरे खाये और यहां से निकलने के बाद उनकी तबियत बिगड़ने लगी। उनके साथियों की मानें तो इस चक्कर में उन्हें फर्स्ट एड के तौर पर बलरामपुर अस्पताल में भी भर्ती कराना पड़ा जहां पर उनका इलाज चला।

इसके बाद उन्होंने उक्त प्रकरण को लेकर वजीरगंज थाने में उक्त रेस्टोरेंट संचालन के नाम रिपोर्ट भी दर्ज करायी और कार्रवाई की मांग की। आलम यह रहा कि जैसे-तैसे करके जब यह मामला लखनऊ जनपद के फूड सेफ्टी विंग के पास पहुंचा तो वहां से आनन-फानन में एक महिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी की अगुवाई में मोती महल रेस्टोरेंट में खाद्य पदार्थों के जांच के लिये टीम भेजी गई। वहां पर छोले भटूरे, दही बड़े आदि के नमूने लिये गये और यह भी पाया गया कि यहां पर जो भी फूड सेफ्टी के गाइडलाइंस हैं उनकी अनुपालन नहीं हो रहा।

मौके से उपभोक्ता संरक्षण अधिकार के तहत रेस्टोरेंट में कोई शिकायत पत्रिका यानी कोई कम्प्लेंट रजिस्टर भी नहीं मिला ऐसे में उक्त विंग ने एक नोटिस जारी कर दी। वहीं जब विभाग के मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी जेपी सिंह से बात की गई तो उनका यही कहना रहा कि जो भी खाद्य नमूने मोती महल रेस्टोरेंट से लिये गये हैं, वो जांच के लिये मेरठ लैब भेज दिये गये हैं जहां से करीब 15 दिन बाद ही रिपोर्ट आयेगी तब उसके आधार पर उक्त रेस्टोरेंट संचालन के खिलाफ कोई संबंधित जरूरी कार्रवाई की जायेगी।

वहीं जब दो-तीन दिनों तक फूड प्वाइजनिंग से जुड़े उक्त प्रकरण में स्थानीय पुलिस टीम ने कोई सक्रियता नहीं दिखाई तो पीड़ति युवा अधिवक्ता के कुछ साथियों जोकि पेशे से अधिवक्क्ता हैं, उन्होंने एसीपी चौक को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने की मांग की और एक पत्रक भी सौंपा। जिस पर उन्होंने कहा कि वो इस मामले को दिखावेंगे। वहीं स्थानीय प्रशासन से जुड़े सूत्रों की मानें तो एक दिन पूर्व जब कलेक्ट्रट सभागार में डीएम साहब होली के मौके को देखते हुए खासकर मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने को लेकर बैठक ले रहे थे तो उस दौरान भी मोती महल रेस्टोरेंट की फूड प्वाइजनिंग का मुद्दा उठा जिस पर उन्होंने भी खाद्य सुरक्षा टीम से पूछताछ की।

अब ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि ऐसे समय जब होली पर्व में मिलावटखोरी को लेकर सत्ता-शासन और स्थानीय प्रशासन की टीमें पूरी तरह सख्त दिशानिर्देश दे रही हैं, तो ऐसे समय में किसी नामीगिरामी रेस्टोरेंट संचालक के रसूख के चलते हर खासोआम पब्लिक के बीच जब कोई ठोस कार्रवाई का मैसेज नहीं जाये तो इसका क्या कहा जाये...! वहीं जब एक दिन पूर्व तरूणमित्र टीम ने रेस्टोरेंट संचालन के प्रबंधन से बात की और पूछा कि क्यों नहीं उनके यहां कम्प्लेंट रजिस्टर हैं और फूड सेफ्टी नियमों का पूरी तरह से अनुपालन क्यों नहीं हो रहा, तो उनका जवाब गोलमाल रहा।

आईपीएल मैच को लेकर पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी में अयोजित होने वाले आईपीएल मैच की सुरक्षा व्यवस्था एवं ट्रैफिक व्यवस्था के संबंध में संयुक्त पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था द्वारा इकाना स्टेडिम के परिसर में एक बैठक आयोजित की गयी। बीसीसीआई (बोर्ड ऑफ कंट्रोल फार क्रिकेट इन इंडिया), यूपीसीए , एलएसजी , बुक माइ शो टिकटिंग पार्टनर के अधिकारी, सिक्योरिटी कर्मी एवं पार्किंग के ठेकेदार एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस विभाग से पुलिस उपायुक्त, दक्षिणी व पुलिस उपायुक्त, यातायात अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। जिसमें लखनऊ में आयोजित होने वाले आईपीएल मैच के संबंध में संयुक्त पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था द्वारा निम्न निर्देश दिये गये।

पहला मैच तीस मार्च से शुरू होगा। आईपीएल मैच से पूर्व में आईपीएल 2023 एवं वर्ल्ड कप मैच के दौरान जो सुरक्षा व्यवस्था एवं ट्रैफिक व्यवस्था की गयी थी। उसे यथावत बनाये रखा जायेगा एवं उसी प्रकार से कलर कोडेड पार्किंग स्थान, ड्यटी कार्ड आदि निर्गत होंगे। स्टेडियम के अंदर सीमित पार्किंग है ऐसे में बिना पास के वाहनों का प्रवेश अंदर नहीं दिया जायेगा एवं उन्हें प्लासियों तिराहे पर ही रोक दिया जायेगा। वाहन बाहर पार्क कर पैदल प्रवेश कर सकेंगे। ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों द्वारा भी अपने वाहन पर ड्यूटी वाहन पास लगाना अनिवार्य होगा अन्यथा ड्युटी पर लगे कर्मचारी भी अपने वाहन भीतर नहीं ले जा सकेंगे। सुरक्षा व्यवस्था चार स्तर की होगी इनर कार्डन, मिडिल कार्डन, आउटर कार्डन एवं आउटरमोस्ट कार्डन। इसके अतिरिक्त पार्किंग स्थलों पर भी ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की तैनाती की जायेगी। साथ ही वाहनों के आने के लिए मात्र एक मार्ग है। शहीद पथ से होते हुए अहिमामऊ एवं वहां से एचसीएल तिराहा यह व्यवस्था यथावत रहेगी। इसी प्रकार वाहनों का निकास मार्ग मैच खत्म होने के पश्चात अहिमामऊ तिराहा एवं शहीद पथ पर प्लासियों के पास बने हुए नये से होगा। शहीद पथ के दूसरी ओर पीएचक्यू की तरफ समस्त पीक एंड ड्रप प्वाइंट बनेंगे जहां निजी वाहन, आटो, टैक्सी, बस आदि दर्शकों को छोड़ सकेंगे एवं ले सकेंगे। स्टेडियम का गेट तीन घंटे पूर्व खोला जायेगा एवं चेकिंग एवं टिकट की चेकिंग करने के पश्चात ही प्रवेश दिया जायेगा।

टिकट की हार्ड कॉपी लाना अनिवार्य है। मोबाइल में टिकट मान्य नहीं होगा। एक बार प्रवेश करने के पश्चात यदि बाहर जाते हैं। तो पुनः प्रवेश नहीं मिलेगा। वीवीआईपी आगन्तुकों के लिए उनके स्कोर्ट वाहन एवं उनके अंगरक्षक आदि स्टेडियम में टिकट नहीं होने पर प्रवेश नहीं कर सकेंगे। उन्हें स्टेडियम के बाहर ही रहना होगा। टिकट काउंटर स्टेडियम से अलग स्थान पर बनाया जायेगा।पर्याप्त संख्या में ट्रैफिक साइनेज बोर्ड,स्टेडियम का मैप जारी किया जायेगा। गेट नं-2 एवं 5 से दर्शकों को पैदल प्रवेश मिलेगा।

पुलिस ने 27 लाख 55 हजार की पकड़ी नकदी

लखनऊ। राजधानी में लोक सभा चुनाव को लेकर चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना इटौंजा क्षेत्र मे एफएसटी टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक की कार से लाखों रूपए की नगदी पकड़ी गई। मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने अवैध नगदी को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच में जुट गई है की कार सवार के पास इतना पैसा कैसे आया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार से बरामदगी को लेकर बताया कि सामान्य लोकसभा चुनाव ककि सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए कमिश्नरेट पुलिस द्वारा समस्त थानों क्षेत्रों में एफएसटी टीम का गठन कर देर रात्रि अभियान चलाया जा रहा था। डीसीपी उत्तरी ने जानकारी देते हुए बताया कि कपिल आहूजा पुत्र गुरुबक्ष आहूजा कि कार से चेकिंग के दौरान रुपयों कि बरामदगी कि गई है। सुरक्षा कि दृष्टि से रुपयों को थाना इटौंजा मे जमा कराया गया है।

कंटेनर चालक हुआ लापता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मलिहाबाद, लखनऊ। उन्नाव जनपद के थाना अजगैन के ग्राम नानाटिकूर निवासी प्रबल सिंह ने रहीमाबाद थाने पर तहरीर दी है कि वह अपने चचेरे भाई कंटेनर चालक संदीप सिंह के साथ विगत 19 मार्च को कंटेनर यूपी 78 डीटी 6275 में माल लोड कर सीतापुर के लिये जा रहा था। रास्ते में थाना रहीमाबाद के अंतर्गत लखनऊ हरदोई रोड पर स्थित कुंदन हॉस्पिटल के निकट 20 मार्च को सुबह करीब साढ़े 10 बजे संदीप की पत्नी का फोन आया। फोन आने के बाद संदीप रुपये लगाने के लिये रहीमाबाद चौराहे पर चला गया।

प्रबल सिंह ने तहरीर में लिखा है कि जब संदीप काफी देर तक वापस नहीं आया तो उसने उसके नम्बर पर संपर्क करने का प्रयास किया। लेकिन उसके दोनों नम्बर बंद जाते रहे। रहीमाबाद पुलिस ने प्रबल सिंह की तहरीर लेकर कंटेनर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

नींद की कमी से हार्ट, शुगर, बीपी के बढ रहे मरीज : प्रो .सोनिया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नींद न आना यह गंभीर समस्या हो सकती है इससे हार्ट शुगर,बीपी मोटापा का अनियन्त्रित होना स्वाभाविक है। इससे लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। यह जानकारी केजीएमयू के पल्मोनरी क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग में विश्व नींद दिवस के उपलक्ष्य में वैश्विक स्वास्थ्य के लिए नींद की समानता थीम के तहत आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.सोनिया नित्यानंद ने कही । इसी क्रम में प्रो.वेद प्रकाश ने कहा कि स्लीप समिट आयोजन के सचिव के रूप में समाज की भलाई के लिए स्लीप मेडिसिन में अनुसंधान और नैदानिक प्रथाओं को आगे बढाने की दिशा में सहयोगात्मक प्रयासों को देखकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष नींद को विभिन्न प्रकार की बीमारियो के बारे में जागरूकता फैलाने के लिये मनाया जाता है। इसका उद्देश्य समाज में नींद सम्बन्धित विकारों को कम करना है । पूरे विश्व में 10 फीसदी

वयस्क अनिद्रा से ग्रसित है। यह विश्व में सबसे प्रमुख निद्रा विकार है। 3-7 प्रतिशत वयस्क ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया से ग्रसित है जो कि दूसरा मुख्य निद्रा विकार है। ज्यादातर वयस्कों में यह बीमारी पता नहीं चल पाती है जबकि यह हाई की बामारी एवं कुछ दिमाग सम्बन्धित बीमारियों की प्रमुख वजहों में से एक है।

पूरे विश्व में लगभग 93 करोड़ वयस्क (30 से 69 वर्ष) ग्रसित हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि विभिन्न बीमारियाँ जैसे हर्ट की बीमारी मेटाबोलिक बीमारी बीपी की बीमारी लकवा जैसी अनेक गम्भीर बीमारियों शिकार है। एक अनुमान के मुताबिक 80 फीसदी मरीजों में इस बीमारी का पता देर से चलता है। इसके लक्षणों में नींद पड़ने में कठिनाई, रात में बार-बार जागना, नींद पूरी ना होना, खरार्टे आना, नींद के दौरान चोकिंग हो जाना, सरदर्द, थकान एवं चिड़चिडापन,याद्दाश्त में कमी,नींद में चलना बोलना और हाथ पैर चलना ही इस बीमारी के संकेत हैं। वहीं डीन एकेडमिक्स डॉ. अमिता जैन, प्रो वीसी डॉ. अपजीत कौर, डॉ. दीप्ति गोठी और प्रो.सूर्यकांत उपस्थित रहे।

विशेष अतिथि के रूप में प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया की जटिलताओं पर विस्तृत परिचय दिया। प्रो. दीप्ति गोथी ने स्लीप समिट 2024 में अपनी प्रस्तुति के दौरान सेंट्रल स्लीप एपनिया (सीएसए) और हाइपोवेंटिलेशन की जटिलताओं पर प्रकाश डाला। एसजीपीजीआई से डॉ. मानसी गुप्ता ने स्लीप समिट में अपनी प्रस्तुति के दौरान नींद संबंधी विकारों के मूल्यांकन में उपयोग की जाने वाली विभिन्न नैदानिक तौर-तरीकों का व्यापक अवलोकन प्रदान किया। डॉ. हेमंत कुमार ने स्लीप समिट में अपनी प्रस्तुति के दौरान सकारात्मक वायुमार्ग दबाव थेरेपी के सिद्धांतों को स्पष्ट किया।

'मैंगो पार्क' से बढ़ेगी राजधानी की खूबसूरती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सूबे की राजधानी में नगर निगम लखनऊ ने एक ऐसे प्रोजेक्ट की शुरूआत करने जा रहा है जिससे राजधानी में प्रदूषण के स्तर को कम करने के साथ साथ युवाओं के लिए शिक्षा प्रद भी साबित होने वाला है। हम बात कर रहे है मैंगो पार्क की जिसके नाम से ही इस प्रोजेक्ट को जानने की उत्सुकता पाठको के मन में उमड़ आई होगी। नगर निगम रायबरेली रोड कल्ली पश्चिम गांव में अपनी जमीन पर आधुनिक मैंगो पार्क बनवाने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के लिए पांच हेक्टेयर जमीन पर जल्द ही पार्क का निर्माण कार्य शुरू होगा और शासन ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी देते हुए 13 मार्च को 24 करोड़ का बजट भी दे दिया है। नगर निगम के उद्यान विभाग द्वारा मैंगो पार्क को बनाये जाने की योजना बनाते हुए शासन को निर्माण करने के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट भेजी थी।

जिसके बाद शासन ने निर्माण की मंजूरी देते हुए 13 मार्च को 24 करोड़ का बजट भी आवंटित कर

दिया है। पार्क के एक हिस्से में मियावाकी पद्धति से पौधे लगाए जायेंगे।इस पार्क को दिसम्बर माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य मिला है। वही मैंगो पार्क के प्रवेश द्वार की बात की जाए तो पार्क का प्रवेश द्वार भी बड़े और आकर्षक आकार का होने की बात अधिकारियों से बात चीत में सामने आई है। उद्यान विभाग के अधिकारियों ने मैंगो पार्क के बारे में बताया गया की पार्क के भीतर आमों के आधार पर हाईटेक म्यूजियम भी बनेगा। इसके साथ ही इस पार्क में पानी और रंगीन लाइटों की आकर्षक कलाएं भी पार्क में देखने को मिलेंगी।

पार्क में सौ से अधिक प्रजाति के आमों के पौधे लगवाए जाएंगे और पार्क में मियावाकी पद्धति के आधार पर आम, अमरूद, आंवला, जामुन, मौलश्री,शीशम, अशोक, गुड़हल, किन्नो, पीपल, गूलर, करंज, बहेड़ा, नींबू, करौंदा आदि की लगभग 20 प्रजातियों के 1260 पौधे भी लगवाए जाएंगे।पार्क में मियावाकी पद्धति के आधार लगाए जाने वाले पौंधो के लिए आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, बिहार, बंगाल सहित अन्य जगह पैदा होने वाले आमों के पौधे लगेंगे। नगर निगम द्वारा निर्मित किये जा रहे मैंगो पार्क में घूमने के लिए कुछ शुल्क लेकर प्रवेश टिकट प्राप्त करना होगा उसके बाद ही दर्शक पार्क के अंदर प्रवेश पा सकेंगे।

'ज्ञान' पर योगी सरकार का पूरा फोकस

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की सात साल की उपलब्धियों और कार्यों पर गौर करें तो पता चलता है कि इस सरकार का पूरा फोकस गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति पर रहा है। योगी सरकार की इस उपलब्धिय को संक्षेप में ज्ञान यानी जीवाईएएन के रूप में भी देखा जा सकता है। जी से गरीब, वाई से युवा, ए से अन्नदाता और एन से नारी शक्ति। यह ठीक है कि युवा शक्ति को इस दौरान नौकरियों के लिए जूझना जरूर पड़ा है। पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर लीक की वजह से उसे परेशानी भी हुई है। लेकिन इसके बावजूद योगी सरकार का समूचा फोकस इन्हीं चार विषयों पर केंद्रित रहा है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के लिए अच्छी बात यह रही कि केंद्र में पहले से ही उसकी पार्टी की सरकार थी। इसकी वजह से उसे अपनी योजनाओं को लागू करने में किसी रोकटोक का सामना नहीं करना पड़ा। राज्य सरकार ने 2017 में अपनी शुरूआत से ही केंद्र द्वारा शुरू की गई गरीब समर्थक योजनाओं के कार्यान्वयन में जोर लगा दिया। जिसमें उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन देने, शौचालय निर्माण के के साथ ही रेहड़ी-पटरी वालों के लिए रियायती कर्ज और हर जल नल कनेक्शन देने में इस सरकार ने पूरा जोर लगा दिया। राज्य सरकार केंद्र की 44 योजनाओं को लागू करने में अव्वल है। राज्य में उज्ज्वला योजना के तहत अब तक पौने दो करोड़ परिवारों को गैस कनेक्शन मिल चुके हैं। जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य में 55 लाख 83 हजार से ज्यादा मकान बने हैं। राज्य में स्वच्छ भारत मिशन के तहत पौने तीन करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के देहाती इलाकों में इन शौचालयों को टायलेट या शौचालय की बजाय सहजता से इज्जत घर कहा जा रहा है। हर घर नल योजना के तहत राज्य के दो करोड़ पांच लाख घरों तक पानी का कनेक्शन इन सात सालों में ही दिया गया। इसके साथ ही 17 लाख 62 हजार रेहड़ी-पटरी वालों को रियायती दर पर कर्ज मिला है। उत्तर प्रदेश में एक और योजना बहुत तेजी से लागू की गई है। केंद्र सरकार के आयुष्मान भारत योजना के तहत राज्य के नौ करोड़ लोगों को पांच लाख रूपए तक का चिकित्सा बीमा की सहूलियत मिली है।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार आने के पहले तक बिजली आपूर्ति की स्थिति बेहद खराब थी। पूरे राज्य में लखनऊ और इटावा-सैफई ही ऐसी जगहें थीं, जहां सुचारू बिजली आपूर्ति होती थी। राज्य को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, कानपुर आदि के उद्योगों के लिए भी बिजली सहजता से उपलब्ध नहीं थी। लेकिन इस बीच स्थितियां सुधरी हैं। अब गांवों तक रोजाना 16 से 18 घंटे तक बिजली मिल रही है। राज्य में बिजली आपूर्ति के सरंजाम बेहद पुराने हैं। बलिया समेत पूर्वी जिले में स्थानीय आपूर्ति करने वाले ट्रांसमिशन सिस्टम जर्जर हो चुके हैं। इसकी वजह से यदा-कदा गड़बड़ियां होती हैं। अलबत्ता कुल मिलाकर स्थिति सही है। इसका असर औद्योगिक उत्पादन पर भी पड़ा है। राज्य में उद्योग पनप रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष और परोक्ष लाभ राज्य की जनता को मिल रहा है। इसी क्रम में कह सकते हैं कि राज्य सरकार ने 2024-25 के लिए एक हजार करोड़ के प्रावधान के साथ युवा उद्यमी विकास योजना शुरू की गई है। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इससे राज्य में युवा कारोबार और उद्योग की ओर उन्मुख होंगे, जिसका फायदा राज्य के युवाओं को रोजगार के रूप में मिलेगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इस योजना में 2 करोड़ 68 लाख किसानों को अब तक 68 हजार 135 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। इसी तरह राज्य में मिशन शक्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, गरीबों की बेटियों के लिए विवाह अनुदान योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समेत कई योजनाओं से लाखों महिलाओं को फायदा हुआ है। योगी सरकार के कार्यकाल में ही उत्तर प्रदेश में दो और उल्लेखनीय कार्य हुए। वाराणसी के काशी विश्वनाथ कारीडोर का दो साल पहले उद्घाटन हुआ। करीब सात सौ करोड़ रूपए की लागत से बने इस कारीडोर के चलते काशी में ना सिर्फ आस्था, बल्कि कारोबार का भी सैलाब उमड़ पड़ा है। देसी तीर्थ यात्रियों की संख्या बढ़ी है। ऐसा अनुमान है कि रोजाना करीब एक लाख देसी सैलानी सामान्य दिनों में वाराणसी आ रहे हैं। इसका सीधा फायदा यहां के परिवहन, होटल, खानपान और शिल्पकारी के कारोबार पर पड़ा है। इसी तरह बीते 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के मंदिर का उद्घाटन हुआ। तीर्थ क्षेत्र अयोध्या का विकास भी हो रहा है। यहां भी रोजाना लाखों तीर्थ यात्री आ रहे हैं। जिनकी वजह से इलाके में रोजगार और कारोबार की संभावनाएं बेहतर हो रही हैं। 2017 में योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालने के बाद ही राज्य के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हुआ। इसमें गंगा एक्सप्रेसवे का नाम सबसे आगे है। इसके साथ ही राज्य से होकर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे गुजरने वाला है।

विपक्ष के नकारात्मक प्रचार पर क्या मोदी के सकारात्मक प्रचार को मिलेगी जीत?

इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा। इस चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा।

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव का माहौल गरमा रहा है। चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और उदार बहुदलीय राजनैतिक प्रणाली का जीवन्त उदाहरण है जिसकी वजह से चुनावों का समय एवं प्रचार विविधतापूर्ण, आक्रामक व रंग-रंगीला होना ही है मगर इसमें कहीं भी कड़वापन, उच्छृंखलता और आपसी रंजिश का पुट नहीं आना चाहिए।

इस बार के चुनाव में जहां भाजपा नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आखिरी मौका करार दे रहा है। यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रहा। यह चुनाव असल में आजादी के अमृतकाल यानी वर्ष 2047 के लक्ष्य को सुनिश्चित करने वाला है। इस चुनाव में सर्वाधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके भावी देश-निर्माण के संकल्प की है। असल में तो इन चुनाव में भाजपा की जीत तो निश्चित मानी जा रही है, लेकिन वह अपने 400 के लक्ष्य को हासिल कर पाती है या नहीं? भाजपा इसके इर्द-गिर्द अपना अभियान चला रही हैं। जबकि विपक्ष जीत का दावा करते हुए भाजपा के इस बड़े लक्ष्य को हास्यास्पद बता रहा है, उनके प्रति अपनी नापसंदगी से परेशान है। भाजपा के पास बड़ा उद्देश्य है, जबकि विपक्ष भाजपा की काट करने के लिये भी प्रभावी मुद्दे नहीं तलाश पा रही है। भाजपा प्रचार में शामिल हैं- आर्थिक विकास, देश और विदेश में सशक्त राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, नया भारत-सशक्त भारत, औद्योगिक क्रांति, दुनिया की महाशक्ति बनना, स्थिरता, शांति। विपक्ष इन ही बड़े उद्देश्यों की आलोचना कर रहा है। मोदी इन चुनावों के महानायक है, परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं जो स्थिरता का वादा करते हुए वोट मांग रहे हैं। अपने आलोचकों के लिए, वह एक अत्यंत ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्ति हैं।

इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा। इस चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा। इस वक्त मतदाता मालिक बन जाता है और मालिक याचक। बस केवल इसी से लोकतंत्र परिलक्षित है। बाकी सभी मर्यादाएं, प्रक्रियाएं हम तोड़ने में लगे हुए हैं। जो नेतृत्व स्वतंत्रता प्राप्ति का शस्त्र बना था, वही नेतृत्व जब तक पुनः प्रतिष्ठित नहीं होगी तब तक मत, मतदाता और मतपेटियां सही परिणाम नहीं दे सकेंगी। आज देश को एक सफल एवं सक्षम नेतृत्व की अपेक्षा है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि माने। आज देश को एक अर्जुन चाहिए, जो मछली की आंख पर निशाने की भांति भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आबादी, सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल, देश की सीमा-रक्षा आदि समस्याओं पर ही अपनी आंख गड़ाए रखें। इस दृष्टि से सबकी नजरे मोदी पर ही लगी हैं।

मोदी ही अर्जुन की मुद्रा में हैं जो मछली की आंख पर निशाना लगा सके। वे ही युधिष्ठिर है, जो धर्म का पालन करते हुए दिख रहे हैं। जो स्वयं को संस्कारों में ढाल, मजदूरों की तरह श्रम कर रहे हैं। वे आदर्शों एवं मूल्यों के साथ चुनावों में उतरे हैं, राजनीति की चकाचौंध में धृतराष्ट्र बने नेताओं के लिये वे एक चुनौती है। सभी विपक्षी दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है और परिवारवाद तथा व्यक्तिवाद की छाया है। कोई अपने बेटे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है तो कोई अपने बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में। किसी का पूरा परिवार ही राजनीति में है, इसलिए विरासत संभालने की जंग भी जारी है। ऐसे में मोदी ही सबसे प्रभावी नेता बन कर सामने आ रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पुराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं, लेकिन वोटर के फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी यह अभी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है। कुल मिलाकर, विपक्ष और सत्ता पक्ष कुछ भी कहे देशवासियों की जागरूक चेतना को देखते हुए यह तय माना जा सकता है कि आम चुनाव का यह लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर देश में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा ही करेगा।

विपक्षी दलों ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को इन विपक्षी दलों ने उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक चुनावों का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि सभी विपक्षी दलों ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच उन्हें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों के पास नहीं है। महाभारत युद्ध में भी तो ऐसा ही परिदृश्य था। कौरवों की तरफ से सेनापति की बागडोर आचार्य द्रोण ने संभाल ली थी।

एक दिन दुर्योधन आचार्य पर बड़े क्रोधित होकर बोले-''गुरुवर कहां गया आपका शौर्य और तेज? अर्जुन तो हमें लगता है समूल नष्ट कर देगा। आप के तीरों में जंग क्यों लग गई। बात क्या है?'' आज लगभग हर राजनीतिक दल और उनके नेतृत्व के सम्मुख यही प्रश्न खड़ा है और इस प्रश्न का उत्तर भी और कहीं नहीं, उन्हीं के पास है। राजनीति की दूषित हवाओं ने हर राजनीतिक दल और उसकी चेतना को दूषित कर दिया है। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। इसकी वजह से लोगों में विपक्षी दलों के प्रति विश्वास इस कदर उठ गया है कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सच्चाई की साक्षी ढूंढ़ती हैं। यही कारण है कि दुर्योधन की बात पर आचार्य द्रोण को कहना पड़ा, ''दुर्योधन मेरी बात ध्यान से सुनो। हमारा जीवन इधर ऐश्वर्य में गुजरा है। मैंने गुरुकुल के चलते स्वयं 'गुरु' की मर्यादा का हनन किया है। हम सब राग रंग में व्यस्त रहे हैं। सुविधाभोगी हो गए हैं, पर अर्जुन के साथ वह बात नहीं। उसे लाक्षागृह में जलना पड़ा है, उसकी आंखों के सामने द्रौपदी को नग्न करने का दुःसाहस किया गया है, उसे दर-दर भटकना पड़ा है, उसके बेटे को सारे महारथियों ने घेर कर मार डाला है, विराट नगर में उसे नपुंसकों की तरह दिन गुजारने को मजबूर होना पड़ा। अतः उसके वाणों में तेज होगा कि तुम्हारे वाणों में, यह निर्णय तुम स्वयं कर लो। लगभग यही स्थिति आज के राजनीतिक दलों के सम्मुख खड़ी है। किसी भी राजनीतिक दल के पास आदर्श चेहरा नहीं है, कोई पवित्र एजेंडा नहीं है, किसी के पास बांटने को रोशनी के टुकड़े नहीं हैं, जो नया आलोक दे सकें। जो मोदी रूपी अर्जुन के देश-विकास के बाणों का मुकाबला कर सके।"

संपादक की कलम से

इलेक्टोरल बॉन्ड, काला धन और राजनीतिक दल

प्रभात पांडे

केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने वित्त वर्ष 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के जरिये करीब 1,300 करोड़ रुपये का राजनीतिक चंदा जुटाया है। यह राशि इसी अवधि में चुनावी बॉन्ड के जरिये कांग्रेस को मिले चंदे की तुलना में सात गुना अधिक है। निर्वाचन आयोग को सौंपी गई भाजपा की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक, 2022-23 में भाजपा को कुल 2,120 करोड़ रुपये मिले जिसमें से 61 प्रतिशत चुनावी बॉन्ड से हासिल हुए हैं। इससे पहले 2021-22 में पार्टी को कुल 1,775 करोड़ रुपये का चंदा मिला था। पार्टी की कुल आय की बात करें तो यह 2022-23 में 2,360.8 करोड़ रुपये रही, जो 2021-22 में 1,917 करोड़ रुपये थी। दूसरी तरफ, कांग्रेस को चुनावी बॉन्ड के जरिये 171 करोड़ रुपये की आय हुई, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 236 करोड़ रुपये से कम है। राज्य स्तर पर समाजवादी पार्टी को 2021-22 में चुनावी बॉन्ड के जरिए 3.2 करोड़ रुपये की आय हुई थी लेकिन 2022-23 में उसे इन बॉन्ड के जरिये कोई धनराशि नहीं मिली। वहीं, राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त एक अन्य दल तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) को 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के माध्यम से 34 करोड़ रुपये मिले, जो पिछले वित्त वर्ष से 10 गुना अधिक राशि है।

जिन पार्टियों को सबसे ज्यादा चुनावी बॉन्ड के जरिए चुनावी चंदा मिला है वो इससे जुड़ी सूचना को सार्वजनिक करने को लेकर उतनी ही ज्यादा आनाकानी कर रही हैं। भाजपा टीएमसी कांग्रेस आप ने यह तो बताया है कि उन्हें कब और कितनी राशि के बॉन्ड्स मिले हैं लेकिन इसे किस कंपनी ने दिया है इससे जुड़ी सूचना उन्होंने नहीं बताई है।

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है जिसमें एक मार्च 2018 से लेकर 11 अप्रैल 2019 तक बेचे गए चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने की मांग की गई है। इस याचिका में कहा गया है कि मतदाता को इस योजना की शुरुआत के बाद से पूरी अवधि के लिए राजनीतिक दलों को कितने की फंडिंग मिली इसको जानने के वह हकदार हैं।

भारत में राजनीतिक चंदे से जुड़ी व्यवस्था को लेकर एक बात साफ है कि जनता इससे भली भांति अवगत नहीं रही है। नेता और चुनाव अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार हैं जिन्होंने सार्वजनिक रूप से लगातार ये माना है कि वे पारदर्शिता को सुनिश्चित नहीं कर पा रहे हैं। फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड सिस्टम को खारिज कर दिया था। इसमें लोग अपनी पसंदीदा पार्टी को बेतहाशा चंदा दे सकते थे, वो भी बिना अपनी पहचान बताए। इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को छह साल पहले शुरू किया गया था। तब से अब तक कई लोग इसे असंवैधानिक बताते रहे हैं और आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर हामी जताई और कहा कि ये सच है कि इससे लोगों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन हो रहा है। यह ऐतिहासिक फैसला भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के रुख के उलट है। हालांकि इलेक्टोरल बॉन्ड के बगैर इस सिस्टम में कई समस्याएं हैं। भारत के पूर्व चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी ने डीडब्ल्यू को बताया, "जहां राजनीतिक सुधारों के समर्थक सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का समर्थन कर रहे हैं, वहीं हम पुराने समय में वापस जा चुके हैं जहां 70 प्रतिशत चंदा नकद के रूप में दिया जाता था। हम वापस वहीं पहुंच गए हैं जहां से हमने शुरुआत की थी।" भारत में मई तक आम चुनाव हो जाने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी अपने तीसरे कार्यकाल के लिए जद्दोजहद कर रही है।

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर मचे हंगामे के बीच भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता और केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इसका समर्थन किया है। गडकरी ने योजना का समर्थन करते हुए कहा कि यह सच्चाई है कि चुनाव लड़ने के लिए धन की आवश्यकता होती है। बीजेपी नेता अरुण जेटली के वित्त मंत्री रहते हुए तैयार की गई चुनावी बॉन्ड योजना का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना को खत्म करने से इलेक्शन में काले धन का इस्तेमाल बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने इंटरव्यू में कहा इलेक्टोरल बॉन्ड स्किम का मुख्य उद्देश्य यह था कि राजनीतिक पार्टियों को पैसा इस योजना के जरिये मिलेगा जिससे अर्थव्यवस्था को नंबर एक पर ले जाने में मदद मिलेगी। गडकरी ने कहा, "इसमें गलत क्या है? चुनाव लड़ने के लिए हर पार्टी को उस पैसे की जरूरत होती है।' हालांकि, उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड स्किम पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। काले धन का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा, "अगर आप बॉन्ड की अनुमति नहीं देंगे तो लोग पैसे को 'दो नंबर' (काला धन) के रूप में लेंगे।"

राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव में 'काले धन' का उपयोग किसी से छिपी नहीं है। भारत में काले धन को 'डर्टी मनी' भी कहा जाता है। यह एक ऐसा धन है जो अवैध आमदनी या कर चोरी से जुटाया गया हो। काले धन के मुद्दे पर काम कर चुके दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर अरुण कुमार ने लीफलेट नाम की पत्रिका में बताया है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 62 प्रतिशत की भागीदारी काली अर्थव्यवस्था की है। इस काले धन की अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए चुनाव में भी काला धन लगाया जाता है ताकि बेईमान राजनीतिक दल और नेता सत्ता में आ सकें। में काले धन का कितना इस्तेमाल किया जाता है, इसका पता लगाना तो मुश्किल है लेकिन इसका असर काफी बुरा हो सकता है क्योंकि इस से राजनीतिक चंदे पर लगाम कसना मुश्किल हो जाता है। कुरैशी ने डीडब्ल्यू को बताया कि लगभग चंदा देने वाले, कानूनन-तय सीमा से 20 से 30 गुना ज्यादा राशि काले धन के रूप में देते हैं। लोकल मीडिया में अक्सर ऐसी खबरें आती हैं कि राजनीतिक दल वोट के लिए शराब, खाना, दवाएं, सिगरेट और यहां तक कि नकदी भी मतदाताओं को बांटते हैं। अपनी लोकप्रियता का लोहा मनवाने के लिए रैलियों में भीड़ जुटाते हैं और उन्हें पैसे देते हैं। वर्ष 2019 के आम चुनाव अभियान के बीच भारत के चुनाव आयोग ने विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से हजारों- करोड़ों रुपये की दवाएं, शराब, मूल्यवान धातुएं और नकदी जब्त की थी। कुरैशी ने बताया, "हमने एंबुलेंस से लेकर दूध के टैंकरों, कारों और पुलिस अधिकारियों और मंत्रियों के विमानों से भी नकदी जब्त की थी।" एडीआर के साथ काम कर रहे सेवानिवृत्त मेजर जनरल अनिल वर्मा ने बताया कि इसमें से ज्यादातर वित्तीय संसाधन काले धन के जरिये आते हैं।

पिछले महीने, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच- न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया था और एसबीआई को राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बांड के विवरण का खुलासा करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि जानकारी में नकदीकरण की तारीख और बांड के मूल्यवर्ग को शामिल किया जाना चाहिए और 6 मार्च तक चुनाव पैनल को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को आदेश दिया था कि वह इन बॉन्डों को जारी करना बंद कर दे और इस माध्यम से किए गए दान का विवरण चुनाव आयोग को दे। इसके बाद चुनाव आयोग से कहा गया कि वह इस जानकारी को 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करे।

भारतीय स्टेट बैंक ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए चुनावी बॉण्ड का विवरण अब तक साझा नहीं किया है। इसकी डेडलाइन भी निकल चुकी है। स्टेट बैंक ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए चुनावी बॉण्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय देने का अनुरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर एक आवेदन में स्टेट बैंक ने दलील दी कि प्रत्येक साइलो से जानकारी फिर से प्राप्त करना और एक साइलो की जानकारी को दूसरे से मिलाने की प्रक्रिया में समय लगेगा।

एसबीआई के लिए बॉण्ड की जानकारी का खुलासा करना कोई बहुत कठिन काम हो। एसबीआई चाहे तो 24 घंटे में जानकारी को मुहैया करा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अर्जी दाखिल करके बॉण्ड की जानकारी सार्वजनिक करने के लिए 30 जून तक समय मांगा है। दरअसल इस बीच लोकसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएंगे। इसके बाद केंद्र की भाजपा सरकार को मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इससे पहले चुनावी बॉण्ड का खुलासा होने पर सर्वाधिक समस्या बॉण्ड के रूप में चंदा देने वाले उद्योगपतियों और व्यवसायियों को करना पड़ेगा। भाजपा को चुंकि सर्वाधिक चंदा मिला है, ऐसे में बॉण्ड के खरीददार कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के निशाने पर रहेंगे। विशेष कर जिन राज्यों में कांग्रेस और गैर भाजपा दलों की सरकारें हैं, उनमें बॉण्ड खरीददारों को सत्तारुढ़ दलों के कोपभाजन का निशाना बनना पड़ सकता है। राजनीतिक दुर्भावना की नीयत से इनके खिलाफ कार्रवाई करने में विपक्षी दल कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। गौरतलब है कि राहुल गांधी और विपक्षी पार्टी के नेता पहले ही अडानी और अंबानी को घेरे हुए हैं। यही वजह है कि एसबीआई गले पड़ी इस मुसीबत को टालने के लिए 30 जून तक का समय मांग रही है। इस अवधि के बाद केंद्र की भाजपा सरकार को किसी बात का डर नहीं रहेगा। भाजपा को पूरी उम्मीद है कि फिर केंद्र में सरकार उसकी की बनेगी। सरकार बनने के बाद भाजपा के बॉण्ड के खरीददारों को सुरक्षा देने में केंद्र सरकार कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। लेकिन इससे पहले यदि इनके नामों का खुलासा किया गया तो निश्चित तौर पर राज्यों के सत्तारुढ़ विपक्षी दल खरीददारों का बख्शेंगे नहीं। कारण स्पष्ट है कि भाजपा की तुलना कांग्रेस को बेहद कम और अन्य दलों को अल्पमात्र चंदा मिला है।

यह चुनाव भारत के इतिहास में सबसे खर्चीले होने वाला है। राजनीतिक दलों के खर्च पर नजर रखने वाली नई दिल्ली की संस्था सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज का अनुमान है कि विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव अभियान में लगभग 14.4 अरब डॉलर (13।27 अरब यूरो) खर्च कर सकते हैं।

अजब गजब

आग में जलते हुए 100 मीटर दौड़ा शख्स, तोड़ दिए ये दो विश्व रिकॉर्ड

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अनोखे- अनोखे रिकार्ड दर्ज हैं। वहीं अब एक शख्स ने अपनी जान पर खेल कर एक बिलकुल नया रिकार्ड दर्ज करवाया है। इस शख्स ने अपने शरीर पर आग लगाकर 100 मीटर दौड़ने का गिनीज वर्ड रिकार्ड बनाया है, वो बिना ऑक्सीजन के सपोर्ट के। ये अनोखा रिकार्ड बनाने वाले फ्रांस के 39 वर्षीय फायरफाइटर जोनाथन वेरो हैं जिन्होंने ये रिकॉर्ड बनाते हुए दो नए अनोखे रिकॉर्ड दर्ज करके गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज कराया है।

वेरो ने ऑक्सीजन के बिना सबसे लंबी दूरी की 272.25 मीटर की दूरी तय करके पूरे शरीर को जलाने का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है इसके साथ ही बिना ऑक्सीजन के सबसे तेज़ पूरे शरीर को जलाने वाली 100 मीटर की दूरी 17 सेकंड में पूरी करने का विश्व रिकॉर्ड भी तोड़ा।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार वेरो एक प्रोफेशनल स्टंटमैन है जिन्हें हमेशा आग से खेलने का शौक रहा है वो अपने बचपन से ही इसके साथ खेलते आ रहे हें इसलिए ये अभयस्थ हैं।

फायरफाइटर के रूप में आग बुझाने और फायर शो में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने में वेरो को महारत हासिल है। ये आग से करतब दिखाते हैं और आग खाने और यहां तककि खुद को मानव मशाल में बदलने जैसे खतरनाक खेल खेलने के चैंपियन हैं। उन्होंने अपने इन कारनामों के जरिए अब 100 मीटर तक शरीर में आग लगाकर दौड़ते हुए नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बना लिया है।

सोशल मीडिया पर शेयर किए जाने के बाद लोग तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं, वहीं कई लोग इस क्लिप को देखकर हैरान हैं। एक यूजर ने लिखा ऐसे मूर्खतापूर्ण रिकॉर्ड क्यों हैं? ये सरासर मूर्खता से ऊपर उठना कठिन होगा। वहीं दूसरे ने लिखा मुझे इसमें भाग लेना और इस रिकॉर्ड को तोड़ना बहुत पसंद है, मुझे विश्वास है कि मैं उससे कहीं अधिक कर सकता हूं।

बाइक सवार दो बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, गोली लगने से एक हुआ लंगड़ा

आर्यावर्त क्रांति

बिधनू। बिधनू किसान नगर रोड पर नहर शटर के पास बुधवार देर रात चेकिंग के दौरान बाइक दो सवार बदमाशो ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में पुलिस ने एक बदमाश को पैर में गोली मारकर लंगड़ा कर दिया।

वहीं दूसरा साथी भागकर झाड़यिों में छिप गया। जिसे पुलिस ने घेराबंदी करके दबोच लिया। तलाशी में बदमाशों के पास से गोकशी में प्रयुक्त औजार बरामद हुए हैं। तीन दिन पहले दोनों आरोपित ग्रामीणों के दौड़ाने पर गोमांश छोड़कर भाग निकले थे। पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने घटना का जायजा लिया।

घटना की जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिण रविंद्र कुमार ने बताया कि बुधवार रात बिधनू थाना किसान नगर रोड पर नहर शटर के पास चेकिंग कर रही थी तभी किसान नगर की ओर से एक बाइक पर सवार दो युवक आ रहे थे। बाइक सवार पुलिस को देखकर वापस लौटने लगे। जिसपर पुलिस ने बाइक सवार को दौड़ाया। जिसपर बाइक सवार भागने के चक्कर में मोड़ पर अनियंत्रित होकर गिर गए।

पुलिस पास पहुंची तो एक बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसपर पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई। जिससे वह मौके पर गिर गया। जबकि दूसरा साथी मौके से भागकर पास की झाड़ियों में छिप गया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे भी दबोच लिया।

पूछताछ में गोली लगने से घायल हुए बदमाश ने अपना नाम मझावन निवासी सलीम उर्फ शेरा बताया वहीं दूसरे ने आरिफ बताया है। दोनों ने तीन दिन पहले गोकशी करने के बाद गोमांश लेकर मझावन की ओर जाने की बात बताई। ग्रामीणों के दौड़ाने पर गोमांश छोड़कर भाग निकले थे। आरोपितों ने बताया कि दोनों गोकशी के लिए निकले थे। दोनों के पास से एक चापड़, रस्सी, प्लास्टिक की बोरी, एक तमंचा और कारतूस बरामद हुए है। सलीम बिधनू थाने का एचएस है।दोनों के अपराधिक इतिहास खंगाले जा रहा है।

किसान की बेटी अल्पना को मिली पीएचडी की उपाधि

मीरजापुर। चुनार तहसील अंतर्गत ग्राम मदारपुर निवासी अल्पना वर्मा को बीते 7 मार्च को राष्ट्रपति व शिक्षा मंत्री द्वारा पीएचडी की उपाधि देकर सम्मानित किया गया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली में यशोभूमि ₹ब्रह्मकमल मंडपम में हुए प्रथम दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, शिक्षा मंत्री कुलाधिपति धर्मेन्द्र प्रधान एवं कुलपति प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी ने डॉक्टर ऑफ फिलोस्फी में डा.अल्पना वर्मा को संस्कृत साहित्य शास्त्र में पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। डा. अल्पना वर्मा पुत्री रमेश चंद्र ग्राम मदारपुर की निवासी हैं।जिन्होंने बहुत मेहनत के साथ अपनी पढ़ाई को जारी रखा और पीएचडी की पढ़ाई को पूरा किया। डा.अल्पना वर्मा वर्तमान समय में इण्टर कालेज में शिक्षिका के पद पर प्रतिष्ठित होकर अध्यापन का कार्य कर रही हैं। पीएचडी की डिग्री मिलने पर परिवार व गांव समाज में खुशी का माहौल छाया हुआ है।

जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया बंदी पुलिस को चकमा देकर फरार

आर्यावर्त क्रांति

मुरादाबाद। जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया बंदी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। सूचना मिलने पर सिविल लाइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सिपाहियों से बंदी के बारे में जानकारी लेने के बाद उसकी तलाश में जुटी गई है। जेल अधीक्षक मृत्युंजय पांडे ने बताया कि बीते पांच मार्च को जिला कारागार में अजीत कुमार निवासी रेवाड़ा थाना जुनावाई जनपद संभल को दाखिल किया गया था।

पुलिस ने उसे अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया था। नशे का आदी होने के कारण बंदी की जिला कारागार में आने के बाद तबियत खराब हो गई थी। 19 मार्च को खून की उल्टियां होने के बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

गुरूवार सुबह करीब नौ बजे बंदी अजीत पुलिस कर्मियों से बाथरूम जाने की बात कहकर बेड से उठकर गया था। इसके बाद वह शौचालय की खिड़की से कूदकर फरार हो गया। काफी देर तक उसके बाहर नहीं आने पर सिपाहियों ने शौचालय के अंदर जाकर देखा तो वह गायब था। घटना की सूचना तत्काल सिविल लाइंस थाना पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी आरपी शर्मा ने बताया कि बंदी के फरार होने की सूचना मिली है। उसकी तलाश में पुलिस जुटी है।

यूपी के इस जिले में चल रहा था सट्टा खेलाने की फ्रेंचाइजी, मुंबई से जुड़ा तार, नौकरानी ने खोला ये राज

आर्यावर्त क्रांति

गोरखपुर। आनलाइन कैसीनो चलाने वाले मुंबई का रेड्डी अन्ना जालसाजी की 80 प्रतिशत रकम खुद लेता था। शेष रकम गोरखपुर में फ्रेंचाइजी चलाने वाले संजय व उसके साथी अजय को मिलती थी। एएसपी/सीओ कैंट अंशिका वर्मा की जांच व आरोपितों से पूछताछ में पुलिस को कई अहम जानकारी मिली है।

गिरोह का सरगना रेड्डी अन्ना आनलाइन कैसीनो के छह एप चलता है, जिसकी फ्रेंचाइजी दी जाती है। असुरन के जेमिनी अपार्टमेंट में किराए पर रहने वाले संजय चौरसिया ने 90 लाख रुपये देकर तीन फ्रेंचाइजी ली थी। इसके बाद उसके पास एप का लिंक आता था। अपने सहयोगी सिद्धार्थनगर के खेसरहा थाना क्षेत्र के कड़जा में रहने वाले अजय ठाकुर के साथ मिलकर वह आनलाइन कैसीनो चलाता था, जिसमें 10 अन्य कर्मचारी भी काम करते थे।

पुलिस की पूछताछ में अजय ने बताया कि मुंबई से बीकाम करने के बाद प्राइवेट नौकरी करता था, वहीं पर उसे आनलाइन कैसीनो के जरिये जालसाजी करने की जानकारी मिली। संजय से संपर्क कर फ्रेंचाइजी दिलवाई। नौकरानी व परिचितों का बैंक में खाता खुलवाने के बाद इन्हीं खातों से रुपये की हेराफेरी करते थे।

इन एप का करते थे इस्तेमाल

रेड्डी अन्ना आनलाइन सट्टा गेमिंग पोर्टल– अवैध रूप से संचालित आनलाइन सट्टा के माध्यम से लाइव कैसीनो, पोकर गेम, लूडो, फुटबाल गेम, आनलाइन तीन पत्ती, क्रिकेट, हाकी, फुटबाल व अन्य स्पोर्ट्स का संचालन करते हैं, जिसमें लोगों के द्वारा आनलाइन सट्टा खेला जाता हैं। अभियुक्तों ने रेड्डी अन्ना आनलाइन सट्टा पोर्टल से red-dyanna, play247, 11xplay, skyexchange, sky247 का पैनल खरीदा था, जिनका वो आनलाइन संचालन किया करते थे ।

बिहार के गोपालगंज, भोरे के सिसई ओझा टोला की लक्ष्मीना जेमिनी अपार्टमेंट में रहने वाले संजय चौरसिया के घर झाड़ू-पोछा करती थी। सरकारी योजना का लाभ दिलाने का भरोसा देकर संजय ने मेडिकल कालेज रोड स्थित इंडसइंड बैंक में लक्ष्मीना व उसके रिश्तेदारों का खाता यह कहते हुए खाता खुलवाया कि हर माह पांच हजार रुपये मिलेंगे। कुछ दिन बाद लक्ष्मीना को पता चला कि उसके खाते से करोड़ों की हेराफेरी की गई है। जेल जाने के डर से उसने एसएसपी को इसकी जानकारी दी तो उन्होंने एएसपी/सीओ को मामले की जांच सौंपी और जालसाज पकड़े गए।

एएसपी/सीओ अंशिका वर्मा ने कहा कि कोट- आनलाइन कैसीनो चलाने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इससे कौन-कौन और जुड़े हैं इसकी जांच चल रही है। जल्द ही पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जाएगा।

शराफत अली चौथी बार बने समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष

हरदोई। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर शराफत अली को चौथी बार जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।बताते चलें समाजवादी पार्टी ने वीरेंद्र यादव वीरे को पार्टी का जिला अध्यक्ष बनाया था। हिस्ट्रीशीटर वीरे अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी को अपने नियमों से चलाने लगे। जिला अध्यक्ष की तानाशाही के कारण कई बार पार्टी कार्यालय पर विवाद हुआ। लोकसभा चुनाव से पहले बुलाई गई मासिक बैठक में पार्टी जिला अध्यक्ष ने पूर्व एमएलसी राजपाल कश्यप का नारा लगाने पर तमाम सपाइयों को पार्टी कार्यालय पर धमकाया और भाग जाने की धमकी दी। इसकी शिकायत राष्ट्रीय अध्यक्ष तक पहुंची, यही नहीं जिला अध्यक्ष द्वारा किए गए तमाम कारनामों की फेहरिस्त अखिलेश यादव के पास आम कार्यकर्ताओं ने पहुंचाई ।साथ ही लोकसभा चुनाव में वीरे के अध्यक्ष बने रहने पर पार्टी को तमाम नुकसान होने की बात भी बताई गई।

यूपी के इस जिले में सीबीआई के छापे से मचा हड़कंप, इस कारोबारी से अलग–अलग टीम कर रही पूछताछ

आर्यावर्त क्रांति

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के साड़पुर गांव में दोना पत्तल कारोबारी के घर गुरुवार की सुबह करीब 7:30 पर सीबीआई टीम ने डेरा डाल दिया। दोपहर तक टीम कारोबारी के घर से साक्ष्य व अन्य जानकारी जुटा रही है। टीम कुछ बताने से इन्कार कर रही है।

साड़पुर गांव निवासी रंजीत भारती उर्फ गोली गांव में ही कृष्णा एग्रो फार्म चलाते हैं। जिसमें वह दोना पत्तल गिलास से जुड़े अन्य चीजों का उत्पादन करते हैं। गुरुवार की सुबह दो गाड़ियों से पांच-छह की संख्या में लोग उनके घर पहुंचे।

घर पर रंजीत भारती और उनका परिवार मौजूद है। सबसे अलग-अलग टीम पूछताछ कर रही है। सभी के मोबाइल भी अपने कब्जे में ले लिया। स्थानीय पुलिस भी टीम का सहयोग कर रही है।

रंजीत अक्टूबर 2016 में छत्तीसगढ़ में जा चुका है जेल

रंजीत भारती अक्टूबर 2016 में छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में 6 किसानों से करीब साढ़े 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी में दो एंजटों के साथ गिरफ्तार कर कारोबारी को भेजा जा चुका है।

रंजीत कवर्धा जिले के विकरोना गांव में किराए पर रहकर किसानों को सस्ते दामों पर ब्रांडेड कंपनी की दवा देने का झांसा देता था। ऐसा करके छह किसानों से करीब साढे 16 लाख रुपए लिए थे और किसानों को दवा भी नहीं दिया था। जिसकी शिकायत पर उसे छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा जेल भेजा गया था। छापेमारी को इससे भी जोड़कर देखा जा रहा है। अन्य मामले भी खुलने की संभावना जताई जा रही है।

'मतदान प्रतिशत बढ़ने से देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था मजबूत होती है'

हरदोई। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत सीएसएन पीजी कॉलेज में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में युवा मतदाता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इससे पहले जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में छात्र छात्राओं को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलायी तथा मतदाता जागरूकता के विभिन्न बिंदुओं पर विद्यार्थियों से संवाद किया एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न सवाल पूछे जिनका जिलाधिकारी ने निराकरण किया और विद्यार्थियों से भी मतदाता जागरूकता को लेकर कुछ प्रश्न पूछे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासनिक टीम की मेहनत की वजह से बड़ी संख्या में युवा वोटर बढ़े हैं और जेन्डर रेशियो व इपी रेशियो में बड़ा सुधार हुआ है तथा दोनों संसदीय क्षेत्रों की सभी विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं को समर्पित 2-2 मतदान केंद्र और प्रत्येक विधानसभा में दिव्यांगों को समर्पित तथा युवाओं को समर्पित बूथ बनाये जायेगें।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने खाया सल्फास, हो गई दर्दनाक मौत– यह है पूरा मामला

आर्यावर्त क्रांति

बागपत। अधिवक्ता से हुई लूट के मामले में पूछताछ के लिए कोतवाली लाए गए युवक ने पुलिस हिरासत में जहर (सल्फास) खा लिया। पुलिस ने उसे मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बुढेड़ा गांव निवासी अधिवक्ता तेजवीर सिंह गत 16 मार्च की शाम साढ़े सात बजे बागपत से अपने घर बाइक से जा रहे थे।

ग्राम गाधी से आगे पहुंचने पर बाइक सवार तीन बदमाशों ने उनसे मारपीट कर 50 हजार रुपये लूट लिए थे। अधिवक्ता ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने विवेचना के आधार पर आरोपित दीपेश उर्फ दीप निवासी ग्राम कमला व नीरज निवासी ग्राम सिरसलगढ़ को बुधवार को गिरफ्तार किया था।

पूछताछ में आरोपितों ने प्रवीण निवासी ग्राम बुढेड़ा का भी नाम लिया था। पुलिस प्रवीण को कोतवाली ले आई। रात को प्रवीण ने हवालात में सल्फास खा ली। हालत बिगड़ने पर पुलिस उसे सरकारी अस्पताल में लेकर पहुंची, जहां से चिकित्सकों ने मेरठ मेडिकल कालेज के लिए रेफर किया। गुरुवार सुबह प्रवीण की मौत हो गई। एएसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने प्रवीण की मौत की पुष्टि करते हुए कहा के मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

शराब के नशे में विवाद के बाद दोस्त को गोली मारी

हरदोई। आनंद विहार दिल्ली से आए दो दोस्तों ने थाना क्षेत्र के लमकन गांव के शराब ठेके पर पहले जमकर शराब पी। बाद में किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद दोस्त ने दूसरे युवक को तमंचे से गोली मार दी। जिसे पहले सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। मैनपुरी जनपद के किशनी थाना क्षेत्र के हरीपुर गांव निवासी गौरव सिंह उर्फ विकास अपने दोस्त कल्लू के साथ आनंद विहार दिल्ली से बस द्वारा हरपालपुर थाना क्षेत्र के लमकन गांव में उतरा। लमकन गांव के ठेके पर दोनों दोस्तों ने जमकर शराब पी। उसके बाद ठेके से करीब 500 मीटर दूर लामकन पुल पर किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद कल्लू ने तमंचे से गौरव को गोली मार दी। जो उसके दाहिने हाथ में लगी। मौके पर खून के काफी निशान मिले हैं। फायरिंग के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से

चुपचाप जा रहा था ग्रामीण, तेजी से आए सांड ने उठाकर पटका– इसके बाद जो हुआ, सुनकर खड़े हो जाएंगे रोंगटे

आर्यावर्त क्रांति

बिधनू। बिधनू घाटू खेड़ा गांव में गुरुवार को काम की तलाश में निकले एक मजदूर पर सांड ने हमला कर दिया। सांड ने सिंघों से मजदूर का पेट फाड़कर मार डाला। ग्रामीणों के दौड़ाने पर सांड भीड़ पर आक्रामक हो गया। जिससे भगदड़ मच गई। पथराव करने पर सांड जंगल की ओर भाग निकला। बीते एक साल में आवारा सांडों ने तीन लोगों की जान लेने के साथ कई लोगों को पटककर घायल कर चुके हैं।

काम की तलाश में जा रहे थे गांव

तेजीपुरवा गांव निवासी मजदूर 45 वर्षीय हरीलाल पासवान अविवाहित होने की वजह से छोटे भाई राजकुमार संग रहते थे। गुरुवार सुबह वह काम की तलाश में पड़ोसी गांव घाटूखेड़ा जा रहे थे। तभी रास्ते में एक आवारा सांड ने मजदूर पर हमला कर दिया। हरीलाल ने भागने का प्रयास किया, लेकिन सांड ने उठाकर सड़क पर पटक दिया।

इसके बाद मतवाले हुए सांड ने उसके पेट में सिंघे घुसेड़ दी। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। ग्रामीणों ने लाठी-डंडे से सांड को भगाने का प्रयास किया तो सांड ने भीड़ को दौड़ा लिया। जिससे गांव में भगदड़ मच गई। ग्रामीणों ने एक जुट होकर सांड पर पथराव किया। जिससे के बाद सांड जंगल की ओर भाग निकला।

बिधनू क्षेत्र में बीते एक साल के अंदर सांड तीन लोगों की जान ले चुके हैं। वहीं एक दर्जन से ज्यादा लोगों को घायल कर चुके हैं। थाना प्रभारी प्रेम चन्द्र कनौजिया ने बताया कि सांड को पकड़ने के लिए कैटिल दस्ते को जानकारी दी गई है। जिनकी मदद से सांड़ को पकड़ा जाएगा। तहरीर के आधार कार्रवाई की जाएगी।

हाईवे पर सफर होगा महंगा, दो से तीन प्रतिशत तक टोल टैक्स में बढ़ोत्तरी की संभावना, एक अप्रैल से लागू होंगी नई दरें

आर्यावर्त क्रांति

मथुरा। अगर आप निजी वाहन से हाईवे पर सफर करते हैं तो जेब ढीली करने के लिए तैयार हो जाइए। 11 दिन बाद टोल की दरें बढ़ जाएंगी। इस बार दो से तीन प्रतिशत तक दरें बढ़ने जा रही हैं। नई दरों के संबंध में दिशा निर्देश जारी हो चुके हैं, सिर्फ बढ़ोतरी के प्रतिशत पर फैसला होना बाकी है। आगरा से मथुरा के बीच फरह स्थित महुअन पर टोल प्लाजा है। हाईवे से गुजरने वाले वाहनों से टोल टैक्स वसूला जाता है। पिछले वर्ष डेढ़ प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। ये वृद्धि टोल पर सुविधाएं पूरी तरह विकसित न होने के चलते बढ़ी थी। अब जबकि मार्च समाप्ति की ओर है। सिर्फ 11 दिन शेष हैं।

ऐसे में एक बार फिर टोल टैक्स की दरें बढ़ने जा रही हैं। टोल सूत्रों के अनुसार डेढ़ से तीन प्रतिशत तक की वृद्धि होने की संभावना है। चूंकि पिछले वर्ष की अपेक्षा टोल पर काफी सुविधाएं विकसित हो चुकी हैं, ऐसे में पिछली बार की अपेक्षा इस बार अधिक प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है। ऐसे में एक अप्रैल से टोल की दरें बढ़ जाएंगी। इस तरह का आदेश टोल मैनेजर को मिल चुका है, सिर्फ अंतिम निर्णय संबंधी आदेश आना बाकी है।

ये वसूली जा रहीं अब तक दरें

मथुरा : कार, जीप, वैन और एलएमवी वाहन का एक तरफ से 100 रुपये, रिटर्न 150 रुपये और महीने के 3290 रुपये लिए जा रहे हैं। एलसीवी, एलजीवी और मिनी बस से एक तरफ के 160 रुपये, रिटर्न 240 रुपये और महीने के 5315 रुपये लिए जा रहे हैं।

इसी तरह बस व ट्रक दो एक्सल से एक तरफ के 335, रिटर्न 500 और महीने के 11135 रुपये, एचसीएम, ईएमवी, एमएवी तीन से छह एक्सल वाहन से एक तरफ के 525, दोनों तरफ के 785 और महीने के 17460 रुपये तथा ओवरसाइज वाहन सात एक्सल से एक तरफ के 640, दोनों तरफ के 955 और महीने के 21255 रुपये लिए जा रहे हैं। एक अप्रैल से नई दरों में तीन प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है।

जनपद में आयोजित हुआ खुशहाल परिवार दिवस

हरदोई। जनपद में जिला महिला चिकित्सालय सहित समस्त ब्लाक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा सभी जन आरोग्य मंदिरों में खुशहाल परिवार दिवस आयोजित हुआ। इसी क्रम में जिला महिला चिकित्सालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसका शुभारम्भ एरा मेडिकल कालेज की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ० उमा गुप्ता तथा डॉ० सुबोध कुमार मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला महिला चिकित्सालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि साल 2020 से हर माह की 21 तारीख को खुशहाल परिवार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का उद्देश्य नवविवाहित दंपतियों को परिवार नियोजन साधनों की जानकारी देते हुए साधन मुहैया कराना है । जिससे काफी हद तक परिवार सीमित रखने के लक्ष्य को पूरा किया जा सकता है इसके साथ ही अनचाहे गर्भधारण की स्थिति से भी महिला को बचाया जा सकता है।

काशी के हरिश्चंद्र घाट में खेली गई चिताभस्म से होली, जलती चिताओं की राख लेकर झूमे शिवभक्त

आर्यावर्त क्रांति

वाराणसी। राग-विराग को एकाकार किए काशी नगरी में मृत्यु भी उत्सव है। यहां उत्सवी रंग महाश्मशान के घाटों पर भी नजर आता है। मान्यता है कि बाबा मशान नाथ भी भक्तों के हुड़दंग में उल्लासित होकर प्रतिभाग करते हैं। काशी को ही नहीं वरन पूरे विश्व को आशीर्वाद प्रदान करने करते हैं। भगवान शिव की नगरी काशी भी गौरा का गौना रंगभरी एकादशी पर होने के साथ उत्साह और उल्लास से भर गई।

भगवान शिव ने भी अपने अड़भंगी गणों, मसानरमणा भूतों-प्रेतों के साथ जलती चिताओं से उठते धुएं औ चिता भस्म के गर्द-गुबार से होली खेलना आरंभ किया तो पूरा वातावरण नीलकंठ और मसान नाथ के स्वरूपों के स्वांग से रोमांचित हो उठा।

डीजे बजाने को लेकर भिड़े दो पक्ष

चिता भस्म की होली में मारपीट हरिश्चंद्र घाट पर चिता भस्म की होली के दौरान दो पक्ष डीजे बजाने को लेकर भिड़ गए। पुलिस ने डीजे बंद करवाकर मामले को शांत करवाया। प्रभारी निरीक्षक भेलूपुर विजय कुमार शुक्ला ने बताया कि चिता भस्म की होली के बाद घाट पर दो पक्षों में मारपीट हुई थी। हालांकि, किसी भी पक्ष ने तहरीर नहीं दी है।

महाकाल रूप में निकली भोलेनाथ की बरात

भगवान शिव के इस विकराल स्वरूप को देख भक्त हर-हर महादेव का उद्घोष गुंजाते रहे। बाबा की नगरी में मस्त मलंग उनके भक्तों की अघोरेश्वर संत कीनाराम मंदिर के सामने एकत्र होना आरंभ हुई। भूत-प्रेत, योगिनी, भैरव, रुद्र, कपाली, नरमुंड माला धारी खप्परवाली काली, गले में नाग लपेटे विशालकाय नंदी पर सवार महाकाल रूप धारी भगवान शिव का स्वांग करते कलाकार जब मुंह से आग की लपटें फेंकते, डमरू बजाते तांडव नृत्य करते चले तो उनके आगे-पीछे सभी भयावह रूप धारी गण कंपा देने वाले नृत्य करते चल पड़े।

मसाने की होली...

बैंड बाजों, ढोल ताशों व भयावत विचित्रताओं से भरी महाकाल रुद्र की यह बरात हरिश्चंद्र घाट पहुंची तो वहां जलती चिताओं के चारों ओर सभी फैल गए। फिर तो चिताओं से उठते धुओं के मध्य चिताओं की भस्म (राख) लेकर सबने उससे होली खेल संसार की नश्वरता का गूढ़ संदेश संपूर्ण विश्व को दिया।

हेमा मालिनी से लेकर शर्मिला टैगोर तक, साड़ी में बेहद खूबसूरत लगती हैं ये अभिनेत्रियां

बॉलीवुड जगत में कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जो अपने समय में करोड़ों दिलों पर राज करती थीं। आज भले ही कितनी नई एक्ट्रेस डेब्यू कर रही हैं, पर उन्हें टक्कर देना नामुमकिन सा है। बॉलीवुड की ओल्ड बॉलीवुड अभिनेत्रियां ना सिर्फ एक्टिंग की वजह से बल्कि अपने लुक्स की वजह से भी आज की अभिनेत्रियों को कड़ी टक्कर देती हैं। इन गोल्डन बॉलीवुड अभिनेत्रियों की लिस्ट में हेमा मालिनी, आशा पारेख, शर्मिला टैगोर, रेखा और दीप्ति नवल का नाम भी शामिल है।

ये ऐसी अभिनेत्रियां हैं जो अगर आज भी साड़ी पहन किसी इवेंट में आ जाएं तो सारी लाइमलाइट लूट लेती हैं। इनके साड़ी लुक्स बेहद एलिगेंट होते हैं। इनके फैंस आज भी इनकी एक झलक पाने को बेताब रहते हैं। इसी के चलते आज के लेख में हम आपको इन्हीं अभिनेत्रियों के साड़ी लुक्स दिखाने जा रहे हैं। ताकि आप भी इनसे टिप्स लेकर खूबसूरत दिख सकती हैं।

बॉलीवुड की ओल्ड बॉलीवुड अभिनेत्रियां ना सिर्फ एक्टिंग की वजह से बल्कि अपने लुक्स की वजह से भी आज की अभिनेत्रियों को कड़ी टक्कर देती हैं। इन गोल्डन बॉलीवुड अभिनेत्रियों की लिस्ट में हेमा मालिनी, आशा पारेख, शर्मिला टैगोर, रेखा और दीप्ति नवल का नाम भी शामिल है।

आशा पारेख

अभिनेत्री आशा पारेख किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनके लुक्स बेहद एलिगेंट होते हैं। अबू जानी संदीप खोसला के कलेक्शन की इस साड़ी में वो बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इस लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने गले में एक नेकपीस और कानों में हल्के ईयररिंग पहने हैं।

हेमा मालिनी

खूबसूरती के मामले में एक्ट्रेस हेमा मालिनी आज के समय की एक्ट्रेस को कड़ी टक्कर देती हैं। उनके साड़ी लुक इतने खूबसूरत होते हैं कि आप इससे टिप्स ले सकती हैं। वो अपने बालों को अक्सर खुला ही छोड़ती हैं। दोनों साड़ी लुक में एक्ट्रेस बला की खूबसूरत लग रहीं हैं।

दीप्ति नवल

एक्ट्रेस दीप्ति नवल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर या तो कॉटन की या फिर सिल्क की ही साड़ी कैरी करती हैं। एक्ट्रेस के सभी साड़ी लुक सिंपल और एलिगेंट होते हैं।

शर्मिला टैगोर

शर्मिला टैगोर के साड़ी लुक सिंपल लेकिन काफी खूबसूरत होते हैं। वो अक्सर अपने बालों में अलग तरीके से जूड़ा बनाती हैं। गले में हल्का सा नेकपीस उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है।

रेखा

एक्ट्रेस रेखा के पास साड़ियों का बेहद ही खूबसूरत कलेक्शन है। वो हर इवेंट पर साड़ी पहने ही नजर आती हैं। कभी खुले बाल तो कभी जूड़ा उनकी खूबसूरती को और ज्यादा बढ़ा देता है।

चेहरे पर ब्लीच करते समय रखें इन बातों का ध्यान, नहीं होंगे साइड इफेक्ट

ब्लीच

ब्लीच एक प्रकार का केमिकल होता है, जिसका अगर संभल कर इस्तेमाल किया जाए तो ये चेहरे को ग्लोइंग बना देगा, वहीं लापरवाही से इस्तेमाल करने पर स्किन से जुड़ी परेशानियां भी सामने आ सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको घर पर ब्लीच इस्तेमाल करते समय जो सावधानियां बरतनी चाहिए उनके बारे में बताएंगे।

चेहरे की सुंदरता बनाए रखने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं। पार्लर जाकर हजारों रुपये खर्च करते हैं, ताकि उनके चेहरे का ग्लो बरकरार रहे। बहुत से लोग घर में ही घरेलू नुस्खे अपनाकर इंस्टेंट ग्लो लाने का प्रयास करते हैं। इंस्टेंट ग्लो लाने का सबसे आसान तरीका है ब्लीच करना। दरअसल, चेहरे पर ब्लीच करने से चेहरे पर चमक तो आ जाती है, पर अगर आप ब्लीच करते वक्त कुछ बातों का ध्यान नहीं रखेंगी तो इसके इस्तेमाल से साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं।

आपको बता दें कि ब्लीच एक प्रकार का केमिकल होता है, जिसका अगर संभल कर इस्तेमाल किया जाए तो ये चेहरे को ग्लोइंग बना देगा, वहीं लापरवाही से इस्तेमाल करने पर स्किन से जुड़ी परेशानियां भी सामने आ सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको घर पर ब्लीच इस्तेमाल करते समय जो सावधानियां बरतनी चाहिए उनके बारे में बताएंगे। ताकि आप ब्लीच से होने वाले साइड इफेक्ट से बच सकें।

पहले चेहरा करें साफ

चेहरे पर ब्लीच का इस्तेमाल करने से पहले चेहरे को अच्छे से साफ कर लें। अगर ब्लीच करते वक्त आपके चेहरे पर गंदगी रहेगी तो ये ब्लीच के साथ मिलकर साइड इफेक्ट दिखा सकती है।

लेयर्स पर दें खास ध्यान

ब्लीच को हमेशा हेयर ग्रोथ की दिशा में ही अप्लाई करें। चेहरे पर ब्लीच लगाते वक्त ध्यान रखें कि माथा, गाल और गर्दन पर तो आप ब्लीच की मोटी परत लगा सकते हैं, पर बाकी चेहरे पर पतली लेयर ही लगाएं।

इस्तेमाल करने के बाद लगाएं फेस पैक

कई बार ऐसा देखा जाता है कि, ब्लीच इस्तेमाल करने के बाद स्किन पर जलन, खुजली और रेडनेस होने लगती है। ऐसे में आप ब्लीच करने के बाद अच्छी क्वालिटी के फेसपैक का इस्तेमाल करें। इससे चेहरे को ठंडक मिलेगी।

धूप में ना जाएं

अगर आपने ब्लीच किया है तो ये आपके लिए सबसे जरूरी स्टेप है। ब्लीच लगाने के बाद गलती से भी धूप में ना जाएं। दरअसल, ब्लीच इस्तेमाल करने के बाद स्किन काफी सेंसटिव हो जाती है। ऐसे में यूवी किरणें आपकी स्किन पर प्रभाव डाल सकती हैं।

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हो रही है नित-नई क्रांति : टेक्स्ट मैसेज को प्रमोशन का नया जरिया बनाया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नए धमाके

एक्टर से वेंचर केपिटलिस्ट बने एश्टन कुचेर और मेडोना के मैनेजर रहे गाई ओसीरी ने 2019 में टेक्स्ट मैसेज कंपनी कम्युनिटी की शुरुआत के समय दावा किया था कि ब्रॉन्ड्स के लिए सोशल मीडिया फीड से अधिक महत्वपूर्ण जगह टेक्स्ट इनबॉक्स बन रहे हैं। पहले सेलेब्रिटीज द्वारा फैन्स से संपर्क लिए कम्युनिटी का इस्तेमाल किया गया था। लेकिन पिछले साल मेकडॉनल्ड, एचबीओ, न्यूयॉर्क यांकीज और कोंडे नेस्ट जैसे कुछ बड़े ब्रान्ड्स के टेक्स्ट मैसेज कम्युनिटी पर आए हैं।

इस माह उस पर हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर द सुपर मारियो ब्रदर्स मूवी का एड कैम्पेन लॉन्च किया गया।कंपनी अगले माह घोषणा कर सकती है कि उसने 205 करोड़ रुपए और जुटा लिए हैं। इस तरह उसकी फंडिंग 900 करोड़ रुपए हो जाएगी। कंपनी को सेल्सफोर्स वेंचर्स, मोर्गने स्टेनले नेक्स्ट लेवल फंड और वेरिजॉन वेंचर्स जैसे निवेशकों से धन मिल रहा है। यूबीएस ग्रुप अमेरिका के पूर्व चेयरमैन रॉबर्ट वोल्फ को नया चेयरमैन बनाया गया है। कंपनी के साथ कुछ बड़े कॉरपोरेट को मिलाकर 8 हजार से अधिक कस्टमर जुड़ चुके हैं। कम्युनिटी को बड़े इन्वेस्टर से फंडिंग सोशल मीडिया की पहुंच के संबंध में उठ रहे सवालों के बीच मिली है। पूछा जा रहा है कि फेसबुक या ट्विटर जैसे बिचौलिए के बिना कंपनियां अपने कस्टमर से डिजिटल रिलेशनशिप कैसे बनाए रखें।

एंड्यू सोर्किन,एफ्राट लिवनी, सारा केसलर

पिछले कुछ सप्ताह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नए अवतारों की चर्चा सरगर्म है। मशहूर रैपर ड्रेक की आवाज की नकल कर बनाया गया एक सॉन्ग पिछले हफ्ते सामने आया है। एआई से लिखा गया एक रहस्यमय नॉवेल- द वीकएंड वायरल हुआ है। एआई से जनरेट की ग ई एक इमेज को विश्व का सबसे बड़ा फोटोग्राफी अवॉर्ड मिला है। जाहिर है, इससे कॉपीराइट संबंधी सवाल खड़े हुए हैं। इस बीच कंपनियों ने मानव और मशीन जनरेटेड काम के बीच अंतर रखने की कोशिश की है। स्पोटिफाई और एपल म्यूजिक सहित स्ट्रीमिंग कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म से टेक्नोलॉजी द्वारा क्रिएट किए गए सॉन्ग हटा लिए हैं।

दूसरी तरफ कुछ आर्टिस्ट एआई में खतरों की बजाय क्रिएटिव संभावनाएं देखते हैं। उनका कहना है कि इससे हमारा काम बेहतर और आसान होगा। स्टीफन मार्चे ने तीन एआई प्रोग्राम का इस्तेमाल कर डेथ ऑफ एन ऑथर नॉवेल लिखा है। वे कहते हैं, यह 100 फीसदी मेरा क्रिएशन है लेकिन शब्द मेरे नहीं हैं।

दस्तावेज़ों के बिना कैसे मिलेगा ऑनलाइन इंस्टेंट पर्सनल लोन

पारंपरिक तौर पर मिलने वाले लोन की तुलना में इंस्टेंट पर्सनल लोन कई तरीकों से फायदेमंद है। बेहद कम समय में मिलने वाले ये लोन काफी सुविधाजनक हैं, जिनके लिए कम-से-कम दस्तावेज़ों की ज़रूरत होती है।

आज की भाग-दौड़ भरी दुनिया में, इलाज की ज़रूरत या घर की मरम्मत जैसे अचानक सामने आने वाले खर्चों को पूरा करने के लिए तुरंत फंड प्राप्त करने की सुविधा काफी मायने रखती है। टेक्नोलॉजी के आने के बाद से, छोटी रकम का इंस्टेंट लोन प्राप्त करना पहले से कहीं ज़्यादा आसान हो गया है।

तुरंत फंड की ज़रूरत पड़ने पर बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन सबसे बेहतर विकल्प है। हमारे चुनिंदा ग्राहक कागजी कार्रवाई के बिना सिर्फ 30 मिनट* में लोन की रकम प्राप्त कर सकते हैं, इसलिए अगर आप छोटी रकम का इंस्टेंट लोन लेना चाहते हैं, तो यह काफी अच्छा विकल्प है। बिना किसी कागजी कार्रवाई के ऑनलाइन इंस्टेंट पर्सनल लोन पाने के बारे में जानकारी नीचे दी गई है।

प्री-अप्रूव्ड ऑफ़र पर गौर करें

बजाज फाइनैंस लिमिटेड जैसी लोन देने वाली कंपनियां अपने मौजूदा ग्राहकों को इंस्टा पर्सनल लोन के माध्यम से प्री-अप्रूव्ड ऑफ़र प्रदान करती हैं। नए ग्राहक भी अपने लिए प्री-असाइन्ड लिमिट जेनरेट कर सकते हैं।

ऑफ़र जनरेट करने के लिए आपको सिर्फ अपना मोबाइल नंबर और OTP भरना होगा। चुनिंदा ग्राहक अपनी प्रोफ़ाइल के आधार पर इनकम प्रूफ़, बैंक स्टेटमेंट जैसे कोई भी दस्तावेज़ जमा किए बिना लोन की रकम प्राप्त कर सकते हैं।

ऑनलाइन स्मॉल इंस्टेंट लोन पाने के चरण

पारंपरिक तौर पर मिलने वाले लोन की तुलना में इंस्टेंट पर्सनल लोन कई तरीकों से फायदेमंद है। बेहद कम समय में मिलने वाले ये लोन काफी सुविधाजनक हैं, जिनके लिए कम-से-कम दस्तावेज़ों की ज़रूरत होती है।

इसके अलावा, आप घर बैठे ही इनके लिए आवेदन कर सकते हैं। बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन के लिए आवेदन करने के चरणों के बारे में नीचे बताया गया है:

बजाज फिनसर्व वेबसाइट के इंस्टा पर्सनल लोन पेज पर जाएँ और 'चेक ऑफ़र' पर क्लिक करें।

अपना 10 अंकों का मोबाइल नंबर और OTP भरें।

प्री-असाइंड लोन ऑफ़र देखें और अपनी ज़रूरत के अनुसार लोन की रकम चुनें।

अपनी सहूलियत को देखते हुए लोन चुकाने की समय-सीमा चुनें।

'प्रोसीड' पर क्लिक करके ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करें।

ऑनलाइन प्रक्रिया सभी ग्राहकों के लिए अलग-अलग हो सकती है, जो इस बात पर निर्भर है कि आप नए ग्राहक हैं या बजाज फाइनैंस लिमिटेड के साथ पहले से जुड़े हुए हैं।

इंस्टा पर्सनल लोन की कुछ खूबियों के बारे में नीचे बताया गया है, जो इसे पैसों की सख़्त ज़रूरत पड़ने पर मदद के लिए सबसे बेहतर विकल्प बनाती हैं:

सिर्फ 2 चरणों में अपना ऑफ़र देखें: अपना ऑफ़र देखने के लिए बस अपना मोबाइल नंबर और OTP भरें।

तुरंत रकम पाने की सुविधा: आप केवल 30 मिनट में अपनी ज़रूरत की रकम प्राप्त कर सकते हैं।

अपनी सहूलियत के अनुसार लोन चुकाएँ: लोन चुकाने के लिए 63 महीने तक की सुविधाजनक समय-सीमा चुनें।

प्री-अप्रूव्ड ऑफ़र: प्री-अप्रूव्ड ऑफ़र होने से लोन लेने की पूरी प्रक्रिया काफी तेज और आसान हो जाती है।

विदेशी निवेशकों ने इक्विटी से निकाले 24,734 करोड़, एफपीआइ ने डेट बाजारों में 17,120 करोड़ रुपये का किया निवेश

अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) की घरेलू इक्विटी बाजारों से लगातार निकासी जारी है। डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार, 25 जनवरी तक एफपीआइ इक्विटी बाजारों से 24,734 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

इसके विपरीत, इस अवधि में एफपीआइ ने डेट बाजारों में 17,120 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एफपीआइ ने इससे पहले दिसंबर में 66,134 करोड़ और नवंबर में नौ हजार करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का कहना है कि अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि चिंता का विषय है। इससे नकदी बाजार में बिकवाली का हालिया दौर शुरू हो गया है।

फेडरल रिजर्व 2024 की दूसरी छमाही में ही ब्याज दरों में करेगा कटौती

विजयकुमार के अनुसार, वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के कदमों के चलते हुई थी जिससे 10 वर्षीय अमेरिकी बॉन्ड पर यील्ड पांच प्रतिशत से घटकर 3.8 प्रतिशत पर आ गई थी। हालांकि, अब यह फिर बढ़कर 4.18 प्रतिशत हो गई है। इससे संकेत मिलता है कि फेडरल रिजर्व 2024 की दूसरी छमाही में ही ब्याज दरों में कटौती करेगा।

मार्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर हिमांशु श्रीवास्तव का कहना है कि एफपीआइ ने सतर्कता के साथ नए वर्ष की शुरुआत की है। इसी सोच के साथ उन्होंने भारतीय इक्विटी बाजारों में मुनाफावसूली शुरू की है। पूरे 2023 के दौरान एफपीआइ ने घरेलू इक्विटी बाजारों में 1.71 लाख करोड़ रुपये और डेट बाजारों में 68,663 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

सात कंपनियों का पूंजीकरण 1.16 लाख करोड़ घटा

बीते सप्ताह घरेलू बाजारों में रही गिरावट के चलते शीर्ष-10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1.16 लाख करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 32,661.45 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

इसी तरह, एलआइसी के पूंजीकरण में 20,682.74 करोड़, टीसीएस में 19,173.43 करोड़, एसबीआइ में 16,599.77 करोड़, आइटीसी में 15,908.1 करोड़, एचयूएल में 9,210.4 करोड़ और रिलायंस के पूंजीकरण में 1,928.22 करोड़ रुपये की गिरावट रही है।

दूसरी ओर, भारती एयरटेल, इन्फोसिस और आइसीआइसीआइ बैंक के पूंजीकरण में क्रमशः 20,717.87 करोड़, 9,151.75 करोड़ और 1,137.37 करोड़ रुपये की वृद्धि रही है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस अभी भी शीर्ष पर बनी हुई है।

अगले हफ्ते खुले रहेंगे इनकम टैक्स ऑफिस के दफ्तर, गुड फ्राइडे , शनिवार-रविवार की छुट्टियां भी रद्द

नई दिल्ली। अगले हफ्ते लॉन्ग वीकेंड के साथ चालू वित्त वर्ष का आखिरी दिन भी है। विभाग ने वित्त वर्ष को देखते हुए अगले हफ्ते के लॉन्ग वीकेंड को भी इनकम टैक्स ऑफिस खोलने कै फैसला लिया है।

इसको लेकर आज विभाग ने एक सर्कुलर जारी कर जानकारी दी है कि 29 से 31 मार्च 2024 को सभी आयकर दफ्तर खुले रहेंगे। इस बार 29 मार्च 2024 को गुड फ्राइडे (Good Friday) है। 30 मार्च को शनिवार और 31 मार्च को रविवार है। वहीं दूसरी तरफ 31 मार्च 2024 को चालू वित्त वर्ष 2023-24 का आखिरी दिन है, इस वजह से आयकर विभाग ने लॉन्ग वीकेंड को कैंसिल करने का फैसला लिया है।

बता दें कि अगर विभाग द्वारा यह फैसला नहीं लिया जाता तो टैक्सपेयर को टैक्स से जुड़े काम को निपटाने के लिए केवल 3 दिन का ही समय मिलता है। इस हफ्ते भी होली की वजह से सोमवार को सभी आयकर विभाग के ऑफिस बंद रहेंगे। ऐसे में टैक्सपेयर्स को सुविधा देने के लिए विभाग द्वारा यह कदम उठाया गया है।

करदाता को निपटाना है ये काम

31 मार्च 2024 तक करदाता को टीडीएस कटौती के लिए सर्टिफिकेट को जमा करना होगा।

इसके अलावा टैक्स सेविंग प्लान (एफडी, ईएलएसएस, यूलिप, पीपीएफ, एससीएसएस, एनएससी) में निवेश करने के लिए भी आखिरी तारीख 31 मार्च 2024 है।

टैक्सपेयर्स को 31 मार्च 2024 तक 194एम या 194 आईए को भी भरना है।

अगले लॉन्ग वीकेंड स्टॉक मार्केट रहेगा बंद

बता दें कि गुड फ्राइडे के दिन शेयर बाजार और बैंक बंद रहेंगे। स्टॉक मार्केट 30 और 31 मार्च को भी बंद रहेंगे। बैंक भी 31 मार्च 2024 रविवार को बंद रहेगा पर 30 मार्च (शनिवार) को खुला रहेगा। 30 मार्च 2024 पांचवा शनिवार है इस वजह से बैंक खुले रहेंगे।

'भारत के साथ हमारे संबंध पहले से अधिक मजबूत', रूस से रिश्ते पर उठा सवाल तो पेंटागन अधिकारी ने कही यह बात

वॉशिंगटन। अमेरिका के शीर्ष रक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। आज के समय में यह संबंध पहले से अधिक मजबूत हैं। साथ ही अधिकारियों ने सांसदों से कहा कि रूस के साथ संबंध होने के कारण भारत के पास कई विकल्प हैं।

हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा मंत्री एली एस रैटनर ने हिंद-प्रशांत पर सदन की उपसमिति के सदस्यों से बुधवार को कहा कि अमेरिका कई क्षेत्रों में भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं कहना चाहूंगा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं और यह पहले से कहीं

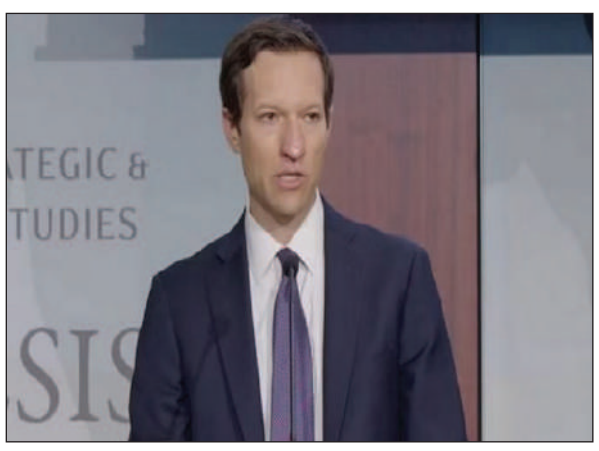

अधिक मजबूत होते जा रहे हैं। एक स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हमारे दृष्टिकोण के लिए यह बहुत जरूरी है।'

बता दें, रैटनर रैंकिंग सदस्य एडम स्मिथ के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, 'हम कई क्षेत्रों में संबंध को मजबूत कर रहे हैं। हमने जेट इंजन को लेकर कुछ प्रगति की है। इसके अलावा हमारे रक्षा औद्योगिक आधार को एकीकृत करने के लिए बख्तरबंद वाहनों पर कुछ नई परियोजनाएं हैं, जो उन संबंधों को मजबूत बनाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।'

स्मिथ ने कहा, 'मैं उन्हें महत्वपूर्ण समझता हूं, लेकिन मैं निश्चित रूप से भागीदार नहीं बनूंगा क्योंकि उनका संबंध रूस के साथ है और इससे उनके पास विकल्प ज्यादा हैं। उनके दुनिया भर में हमारे कई विरोधियों के साथ संबंध हैं। मुझे लगता है कि उन्हें हमारे साथ और अधिक काम करने के लिए आगे बढ़ना हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है।' उन्होंने रैटनर से पूछा कि वह भारत के साथ अमेरिका के संबंधों को कैसे देखते हैं और इसे मजबूत करने के लिए क्या जरूरी है।

स्मिथ के सवाल का जवाब

इस पर सहायक रक्षा मंत्री ने बताया कि वह अपने निजी क्षेत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं, विशेष रूप से रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में काम किया जा रहा है। इसके अलावा संबंधों को मजबूत करने के लिए हमारे पास कुछ महत्वपूर्ण नई योजनाएं हैं। यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर नेवी एडमिरल जॉन एक्विलिनो भारतीयों के साथ कई महत्वपूर्ण अभ्यासों और अभियानों का नेतृत्व कर रहे हैं जो हमारे परिचालन समन्वय को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा रक्षा व्यापार अब 20 अरब डॉलर का है और भारत ने हाल ही में 30 एमक्यू9बी और बीएस खरीदने का एलान किया है। यह दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों को दिखाता है।'

एक्विलिनो ने भी सहमति जताई

इस बयान पर एक्विलिनो ने भी सहमति जताई और कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों के साथ अमेरिका के कई हित जुड़े हैं।उन्होंने कहा, 'सेना से सेना तक, हम एक साथ बहुत अधिक अभियान और अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने हमारे हेलीकॉप्टर खरीदे हैं, उनके पास सी-130 हैं।'

'इस मामूली एडिटिंग पर हंगामा क्यों?' केट मिडलटन की तस्वीर को लेकर जारी विवाद पर ट्रंप की चुटकी

लंदन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन की तस्वीर के साथ छेड़छाड़ की गई मामले पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि वेल्स की राजकुमारी ने वही किया जो सब करते हैं। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है।

मीडिया को साक्षात्कार देते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'इसमे कोई बड़ी बात नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हर कोई तस्वीरों के साथ एडिटिंग करते हैं। आप फिल्मी अभिनेताओं को देखते हैं और उनसे मिलते हैं। उन्हें देखते ही आप यह सोचते हैं कि क्या तस्वीर में यही व्यक्ति है। मैंने वास्तव में उस पर गौर किया और इसमे बहुत ही मामूली एडिटिंग की गई थी। मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस पर इतना हंगामा क्यों हो रहा?'

बता दें कि पेट की सर्जरी के बाद मदर्स डे पर वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन की पहली तस्वीर सामने आई थी। इस तस्वीर में राजकुमारी केट मिडलटन मुस्कुराती हुईं नजर आ रही हैं। तस्वीर में केट के तीनों बच्चे जॉर्ज, चार्लेट और लुइस भी थे। उनकी ये तस्वीर उनके पति प्रिंस विलियम ने ही क्लिक किया था। तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, 'बीते दो महीनों में आपकी दुआओं और समर्थन के लिए धन्यवाद। सभी को मदर्स डे की शुभकामनाएं।' हालांकि, बात में इस तस्वीर को अपने प्लेटफॉर्म से हटाते हुए न्यूज एजेंसियों ने बताया है कि ऐसा लगता है कि तस्वीर से छेड़छाड़ की गई है।

चीन-ताइवान में फिर तनातनी, पीएलए के 32 लड़ाकू विमानों ने की घुसपैठ की कोशिश

चीन और ताइवान के बीच एक अनौपचारिक सीमा

ताइपे। चीन और ताइवान के बीच लगातार तनातनी चल रही है। बुधवार और गुरुवार सुबह को चीन की सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बयान जारी कर बताया कि 32 चीनी लड़ाकू विमान 20 से 21 मार्च को सुबह करीब छह बजे ताइवान की सीमा के करीब देखे गए। साथ ही चीन की नौसेना के पांच युद्धक जहाज भी ताइवान की सीमा के नजदीक देखे गए।

रक्षा मंत्रालय का दावा है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के इन 32 विमानों में से 20 युद्धक विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य को लांघा और दक्षिण-पश्चिमी, दक्षिणपूर्वी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में घुस गए। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है।

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (MND) ने बताया कि कल ताइवान में 15 चीनी सैन्य विमान और 10 नौसैनिक जहाज घुस आए। इतना ही नहीं चीन के 15 विमानों में से छह ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में घुस गए। हालांकि उस समय किसी भी विमान ने ताइवान स्ट्रेट मीडियन लाइन को पार नहीं किया था। इसके बाद ताइवान के बलों ने स्थिति पर नजर रखी और गतिविधियों के जवाब में सीएपी विमान, नौसेना के जहाजों और तटीय मिसाइलों प्रणालियों को तैनात किया।

ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता

रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2020 से चीन ने ताइवान के आसपास सक्रिय सैन्य विमानों और नौसैनिक जहाजों की संख्या में धीरे-धीरे वृद्धि करके ग्रे जोन रणनीति के अपने उपयोग को बढ़ा दिया है। गौरतलब है चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। चीन के दबान के कारण सिर्फ 10 से अधिक देशों ने ताइवान को एक अलग देश के रूप में मान्यता दी हुई है।

अरुणाचल प्रदेश पर अमेरिका ने चीन का दावा किया खारिज, पन्नू मामले को बताया बेहद गंभीर

वॉशिंगटन। अमेरिका ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे को खारिज कर दिया है। अमेरिका ने कहा कि हम एकपक्षीय तरीके से सीमा में किसी भी तरह के बदलाव का सख्ती से विरोध करेंगे। दरअसल बीते दिनों पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया था और वहां सेला टनल का उद्घाटन किया था। पीएम मोदी के दौरे के बाद चीन ने बयान जारी कर प्रधानमंत्री के दौरे पर विरोध जताया था। बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा मानता है और हम एकपक्षीय कार्रवाई से एलएसी पर सैन्य या नागरिक तरीके से किसी भी तरह के बदलाव के खिलाफ हैं। पीएम मोदी के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर चीन के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि शीजांग (तिब्बत का चीनी नाम) चीन का अभिन्न हिस्सा है।

देश में तेजी से बढ़ रहा गेमिंग बाजार, अमेरिका की 'गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस' में पहली बार भारत का पेवेलियन

न्यूयॉर्क। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। खास बात ये है कि पहली बार इसमें भारत का भी पेवेलियन है। यह भारत और अमेरिका के बढ़ते संबंधों को दिखाता है। यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के सहयोग से गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया है। फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने बताया कि भारत पेवेलियन का उद्घाटन भारत-अमेरिका के संबंधों में मील का पत्थर है।

देश में 56 करोड़ ऑनलाइन गेम खेलने वाले लोग

इंडिया गेमिंग मार्केट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अभी ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में एक लाख लोग काम करते हैं और आने वाले दशक में इस सेक्टर में ढाई लाख नौकरियां पैदा होने का अनुमान है। भारत में साल 2023 में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 88 करोड़ थी, जिसके साल 2028 तक 1.2 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2023 में ऑनलाइन गेम खेलने वाले लोगों की संख्या करीब 56 करोड़ थी, जो 2028 तक बढ़कर 89 करोड़ हो जाएगी। भारत में साल 2015 में सिर्फ 25 गेमिंग कंपनियां थीं, जो साल 2023 में बढ़कर 1400 हो गई हैं। भारत में दुनिया में सबसे ज्यादा मोबाइल गेम एप डाउनलोड किए जाते हैं।

देश में तेजी से बढ़ रही गेमिंग इंडस्ट्री

गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का बुधवार को उद्घाटन किया गया। साथ ही इस दौरान 'इंडिया गेमिंग मार्केट रिपोर्ट' भी जारी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का गेमिंग मार्केट साल 2023 में 3.1 अरब डॉलर था, जिसके साल 2028 तक 6 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। कार्यक्रम में सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूत के श्रीकर रेड्डी भी समेत कई अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। रेड्डी ने कहा कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में काफी संभावनाएं हैं।

'लद्दाख को राज्य का दर्जा देने का वादा होगा पूरा या...', प्रधानमंत्री मोदी पर जमकर भड़के जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। साथ ही पूछा कि पीएम का क्या लद्दाख के लोगों को दी गई 'मोदी की गारंटी' को बनाए रखने का कोई इरादा है। बता दें, मोदी की भूटान यात्रा आज होनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण इसे टाल दिया गया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक लंबा पोस्ट कर कहा, 'आज प्रधानमंत्री ने अपनी भूटान फोटो-ऑप्स (फोटो बाजी) को स्थगित कर दिया है, इसलिए हमें उम्मीद है कि वह लद्दाख के लिए कुछ समय निकाल सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि क्योंकि आज प्रधानमंत्री ने अपनी भूटान फोटो-ऑप्स को स्थगित कर दिया है, हमें उम्मीद है कि वह लद्दाख के लिए कुछ समय निकाल सकते हैं। मोदी सरकार

लद्दाख में नौकरशाही के माध्यम से अपना शासन चला रही है, जिसने निर्वाचन के स्थानीय संस्थानों का मजाक बनाकर रख दिया है।

जयराम रमेश ने आगे कहा कि तीन फरवरी को स्थानीय लोगों ने लद्दाख बंद किया था। इसके बाद से यहां के लोग बड़ी संख्या में इस हालात के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निडर और बेबाक पर्यावरण एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने लद्दाख के लोगों की पीड़ा की तरफ राष्ट्रीय और वैश्विक समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है।

संवैधानिक सुरक्षा की मांग कर रहे लद्दाख के लोग

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि लद्दाख के लोग प्रधानमंत्री मोदी से चार सवालों के जवाब चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लद्दाख के लोग केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, जिसमें राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना का सुझाव दिया है। संयोग से भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव और 2020 के लद्दाख हिल काउंसिल चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में इसका वादा भी किया था। उन्होंने पूछा, 'क्या प्रधानमंत्री का अपनी 'मोदी की गारंटी' को बरकरार रखने का कोई इरादा है? यदि नहीं, तो उन्होंने इसका वादा क्यों किया? उनके कार्यभार संभालने के 10 साल बाद भी यह मुद्दा लंबित क्यों है?'

लद्दाख के लोगों से विचार-विमर्श किया गया?

उन्होंने आगे कहा कि साल 2018 में जम्मू-कश्मीर – जो कि तब एक राज्य था – में भाजपा-पीडीपी सरकार के गिरने के बाद से, लद्दाख के लोगों के पास राज्य स्तर पर कोई प्रतिनिधि सरकार नहीं है। पांच अगस्त, 2019 को लद्दाख को बिना राज्य विधानसभा के एक अलग केंद्र शासित प्रदेश में परिवर्तित करके, मोदी सरकार ने लद्दाख के लोगों के लिए किसी भी स्थानीय शासन की संभावनाओं को खत्म कर दिया है। उन्होंने पूछा, 'जब प्रधानमंत्री ने इसे एक अलग केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया तो उनके पास लद्दाख के लिए क्या विजन था? क्या इस दृष्टिकोण को बनाते समय कभी लद्दाख के लोगों से विचार-विमर्श किया गया, या उनसे परामर्श लिया गया?'

कौन झूठ बोल रहा?

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शासन में भारत ने चीन द्वारा किए गए कब्जे के कारण लद्दाख के उत्तर में स्थित चांगथंग मैदानों में महत्वपूर्ण चारागाहों से नियंत्रण खो दिया है। ऐसा होना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संकट के अलावा, लद्दाख के खानाबदोश घुमंतू लोगों के लिए एक गंभीर सामाजिक आर्थिक मुद्दा भी है। लेकिन, प्रधानमंत्री ने 19 जून, 2020 को चीन पर सर्वदलीय बैठक में यह कहते हुए चीन को क्लीन चिट दे दी कि एक भी चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र में नहीं घुसा है। उन्होंने कहा कि यहां दो ही बात हो सकती है या तो लद्दाख के लोग या भारत के प्रधानमंत्री देश से झूठ बोल रहे थे। उन्होंने पूछा कि सच क्या है मोदी जी - लद्दाख के लोग झूठे हैं या आप झूठे हैं?

भूमि आवंटन नीति का उद्देश्य क्या है?

जयराम रमेश ने कहा कि प्रस्तावित लद्दाख औद्योगिक भूमि आवंटन नीति 2023 में सिंगल-विंडो क्लीयरेंस कमेटी का सुझाव है, जिसमें केवल सरकारी अधिकारी और एक इंडस्ट्री के प्रतिनिधि होंगे। इसमें कोई परिषद सदस्य, कोई सिविल सोसाइटी समूह और कोई पंचायत प्रतिनिधि इन कमेटियों का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस दस्तावेज में किसी औद्योगिक परियोजना पर विचार करने के लिए कोई पर्यावरण या सांस्कृतिक मानदंड भी नहीं है, न ही इसमें किसी सार्वजनिक परामर्श का प्रावधान है।

चुनाव आयोग ने चार राज्यों में गैर-कैडर अफसरों के तबादले का दिया आदेश, ये नाम हैं शामिल

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने चार राज्यों के गैर-कैडर अधिकारियों, जो जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक पदों पर तैनात हैं, उनके तबादले के आदेश दिए हैं। जिन राज्यों के अधिकारियों के तबादले के आदेश दिए गए हैं, उनमें गुजरात, पंजाब, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। जिन अधिकारियों के तबादले के आदेश दिए गए हैं, उनमें गुजरात में छोटा उदयपुर और अहमदाबाद ग्रामीण इलाकों के एसपी, पंजाब राज्य के पठानकोट, फाजिल्का, जालंधर ग्रामीण और मलेरकोटला जिले के एसएसपी शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने ओडिशा के ढेंकानाल के जिलाधिकारी, देवगढ़, कटक ग्रामीण इलाके के एसपी के नाम भी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल में जिन अधिकारियों के तबादले के आदेश दिए गए हैं, उनमें पूर्व मेदिनीपुर, झारग्राम, पूर्व बर्धमान और बीरभूम जिले के जिलाधिकारी शामिल हैं। चुनाव आयोग ने पंजाब में बठिंडा के एसएसपी, असम में सोनितपुर के एसपी का भी तबादला किया है।

'हम शक्ति की पूजा करते हैं, उसे नष्ट नहीं', राहुल गांधी की आलोचना कर बोले भाजपा के गोवा प्रभारी आशीष सूद

पणजी। लोकसभा चुनाव होने में अब एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच, भाजपा के गोवा लोकसभा चुनाव प्रभारी आशीष सूद ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी को चुनावी मैदान में उतारने के लिए उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। वहीं, भाजपा नेता ने कहा कि वह अपनी उपलब्धियों के साथ जनता के बीच जाएंगे।

शेड्यूल के अनुसार, इस साल लोकसभा चुनाव सात चरण में होंगे। गोवा में सात मई को सिर्फ एक चरण में चुनाव होगा। बता दें, यहां दो लोकसभा क्षेत्र हैं- उत्तर गोवा और दक्षिण गोवा।

सूद ने कहा कि हम अपनी उपलब्धियों के साथ जनता के बीच जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे सूत्रों से पता चला है कि कांग्रेस को चुनाव लड़ने के लिए उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। इसलिए मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि कांग्रेस गोवा की दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार भी नहीं उतार पाएगी।'

राहुल गांधी की निंदा

एक सवाल के जवाब में भाजपा नेता ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था और मेरा भी मानना है कि हम नारी का सम्मान करते हैं। हम शक्ति की पूजा करते हैं और उसे नष्ट नहीं करते हैं।' उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'शक्ति' टिप्पणी के लिए भी निंदा की, जिसकी पीएम मोदी और अन्य भाजपा नेताओं ने तीखी आलोचना की थी।

ईवीएम में राजा की आत्मा

दरअसल, हाल ही में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की संपन्न रैली में राहुल गांधी ने कहा था, 'हिंदू धर्म में एक शब्द शक्ति है। हम शक्ति के खिलाफ लड़ रहे हैं। सवाल यह है कि शक्ति क्या है? राजा की आत्मा ईवीएम में है। यह सच है। राजा की आत्मा ईवीएम और देश के हर संस्थान ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग में है।' आशीष सूद ने कहा कि भाजपा उन उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' और 'विकसित गोवा' को आगे ले जाएंगे।

2019 में रहा था यह नतीजा

अगर साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव पर गौर करें तो उत्तरी गोवा सीट पर भाजपा उम्मीदवार श्रीपद यसो नाइक ने जीत हासिल की थी, जबकि दक्षिण गोवा सीट कांग्रेस उम्मीदवार कॉस्मे फ्रांसिस्को कैटानो सरदिन्हा ने जीती थी। नाइक को 79.9 प्रतिशत वोट मिले थे। सरदिन्हा को 75.2 प्रतिशत वोट मिले थे।

इस बार भी नाइक पर दांव

भाजपा ने इस बार 195 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची में उत्तरी गोवा से चुनाव लड़ने के लिए श्रीपद यसो नाइक के नाम की घोषणा की। पार्टी दक्षिण गोवा सीट से अपने उम्मीदवार की घोषणा कर सकती है।

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए मतदान सात चरणों में होगा, जो 19 अप्रैल से शुरू होगा और एक जून को समाप्त होगा। चुनाव के नतीजे चार जून को घोषित किए जाएंगे। इसके अलावा, चार राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होंगे।

'हम उन्हें गंभीरता से नहीं लेते, वे जहां भी गए, कांग्रेस सीट हारी', रिजिजू ने कसा राहुल पर तंज

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का भाजपा के चुनावी संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में एनडीए बहुमत के साथ सत्ता में आएगी।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत 14 जनवरी को मणिपुर से की गई थी, वहीं इस यात्रा का समापन 16 जनवरी को मुंबई में हुआ था। इस यात्रा में करीबन 6,700 किमी की दूरी तय की गई थी।

मीडिया से बात करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, 'राहुल गांधी जहां भी गए, कांग्रेस वहां सीट हार गई। कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं लेता है। अगर वह चुनाव प्रचार से बचते हैं तो शायद देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस लोकसभा चुनाव में कुछ सीटें जीत सकती है।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नफरती भाषणों को लेकर भी राहुल गांधी की आलोचना की है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'कांग्रेस नेता के दिल दिमाग और आत्मा में पीएम मोदी और भाजपा के खिलाफ नफरत भरा हुआ है, जो कि उनके स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। राहुल को पीएम मोदी बिलकुल पसंद नहीं है, क्योंकि वे बहुत ही विनम्र और गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। राहुल और उनके लोग इस बात से सहमत नहीं है कि एक गरीब भी देश का प्रधानमंत्री बन सकता है।'

राहुल को गंभीरता से नहीं लेते: रिजिजू

रिजिजू ने आगे कहा कि मोदी को उनकी काबिलियत, लोगों के प्यार और आशिर्वाद के कारण पीएम बनाया गया है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भाजपा के भारी बहुमत से जीतने की भविष्यवाणी की है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि भाजपा अकेले चुनाव में 370 से ज्यादा सीटें जीतेगी और एनडीए 400 सीटे जीतने वाली है। बता दें कि देश भर में लोकसभा चुनाव और कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होने वाला है।

राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, ₹हम उन्हें कभी गंभीरता से नहीं लेते हैं। वह एक आदतन अपराधी है, अदालत ने भी उन्हें गलत टिप्पणियां करने के मामले में चेतावनी दी है।' रिजिजू ने भाजपा के अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा में 55 सीटें जीतने का दावा किया है।

'ए वतन मेरे वतन' स्टार सारा अली खान का छलका दर्द, बोलीं- क्या मजाकिया होना मूर्खतापूर्ण है

सारा अली खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'ए वतन मेरे वतन' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा फिल्म है। सारा के फैंस उन्हें एक क्रांतिकारी के रूप में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। हाल ही में अपनी फिल्म की प्रमोशन के दौरान सारा अपनी निजी जिंदगी और मजाकिया स्वाभाव के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं।

मजाकिया होना मुर्ख होना नहीं है

सारा अली खान अक्सर बड़े ही प्यार से लोगों से मिलती हैं। सोशल मीडिया पर पैपराजी से बातें करते हुए कई बार वे अपने मशहूर मजाकिया अंदाज में दिखती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सारा ने कहा, 'जो मेरे करीबी लोग हैं वे जानते हैं कि मैं कब सीरियस होती हूं और कब मजाक कर रही हूं। मैं अक्सर पब्लिक डोमेन में लोगों से हंस कर या कोई जोक क्रैक करके मिलती हूं इसलिए उन्हें लगता है कि मैं जोकर हूं तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है।'

मेरा काम मेरे लिए बोलता है

सारा अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, 'मैं फिल्म इंडस्ट्री में हूं, मेरा काम फिल्मों में काम करना है। अगर लोगों को काम पसंद नहीं आए तब मुझे परेशानी होगी। मैं किसी अवॉर्ड नाईट में डांस परफॉर्म करूं और या कोई काम करूं जिसके लिए अगर वे मुझे जज करेंगे तब बुरा लगेगा। मेरे मजाकिया रवैये के वजह से अगर वे कुछ भी बोलते हैं तो मैं ध्यान नहीं देती हूं। हां, पहले जरूर सोचती थी कि क्या मजाकिया लोगों का आत्मसम्मान नहीं होता है। उन्हें भी चीजें बुरी लग सकती हैं, लेकिन अब मैंने ध्यान देना छोड़ दिया है।'

अतरंगी हूं मैं

जब सारा अली खान से पूछा गया क्या उन्होंने कभी लोगों की गुड बुक्स में आने की कोशिश की है। इस सवाल के जवाब में सारा कहती हैं, 'पहले मैं जरूर कोशिश करती थी कि सब मुझे पसंद करें, लेकिन एक वक्त के बाद आप समझ लेते हैं कि आप सिर्फ खुद को खुश रख सकते हैं। अगर आप दूसरों के बारे में सोचेंगे तो सिर्फ आप अपनी ऊर्जा नष्ट करेंगे। लोग समझदार हैं उन्हें सब पता है और आखिर में सिर्फ आपका काम आपके लिए बोलता है। मैं जानती हूं मैं अतरंगी हूं और मैं लोगों को एक दुरी पर रखने में विश्वास करती हूं।'

'लोकसभा चुनाव के लिए कोई प्रोपेगेंडा नहीं है', यामी की आर्टिकल 370 के बचाव में उतरे वैभव तत्ववादी

यामी गौतम की फिल्म 'आर्टिकल 370' का जलवा बॉक्स ऑफिस पर अब भी कायम है। फिल्म 'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक' का निर्देशन कर चुके आदित्य धर ने सत्य घटना पर आधारित एक और फिल्म 'आर्टिकल 370' का निर्माण किया था। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने की घटनाओं से आम जनता भली भांति परिचित हैं। लेकिन इस धारा को हटाने से पहले क्या-क्या तैयारियां हुई, वह सब इस फिल्म में दिखाया गया है। फिल्म की रिलीज के बाद इसे प्रोपेगेंडा का नाम दिया गया था। इस फिल्म के कलाकार वैभव तत्ववादी ने फिल्म का बचाव किया है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में वैभव ने फिल्म में अपनी भूमिका को दिलचस्प बताया। इसके अलावा 'आर्टिकल 370' को लेकर हुई आलोचनाओं का जवाब दिया है। वैभव ने यश चौहान की भूमिका निभाई है, जो एक मिशन पर मर जाता है। अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए यश ने कहा, "हर भूमिका को निभाने के लिए एक विचार प्रक्रिया होती है और मेरे किरदार यश के लिए भी ऐसा ही था। स्टाइलिंग का ख्याल रखा गया।'

वैभव ने आगे कहा, ₹मैंने पूर्व कमांडो और पूर्व सेना के जवानों से प्रशिक्षण लिया, उन्होंने मुझे बंदूकें चलाना सिखाया। मैंने उनकी मानसिक स्थिति को समझा, जिससे मुझे यश चौहान का किरदार निभाने में मदद मिली। मैं नागपुर से आता हूं, लेकिन पुणे में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान मैं एक कोच से उर्दू कक्षाएं लेने के लिए मुंबई जाता था। मैं हिंदी, मराठी और तेलुगु बोलने में सहज हूं और मैं स्क्रीन पर और अधिक भाषाएं बोलना चाहता हूं।'

आर्टिकल 370 को प्रोपेगेंडा बताने पर वैभव ने कहा, "मैं सभी से मेरी फिल्म को खुले दिमाग से देखने का अनुरोध करता हूं। हमने सच्ची घटनाओं को सबसे तथ्यात्मक तरीके से दिखाया है। इसे प्रचार के तौर पर न देखें। इसका किसी की राजनीतिक पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। न ही इसका चुनाव से कोई वास्ता है।'

फिल्म का निर्देशन आदित्य सुहास जंभाले द्वारा किया गया है और बी 62 स्टूडियो और जियो स्टूडियो के तहत लोकेश धर, आदित्य धर और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी सिद्धार्थ दीना वसानी ने की थी और संपादन शिवकुमार वी पणिक्कर ने किया था।

आर्यावर्त क्रांति के लिए स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक प्रभात पांडे साइन ऑफसेट, 40 वासुदेव भवन कैसरबाग लखनऊ से मुद्रित एवं 0274 विक्रांत खंड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित समेत लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की किसी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ उत्तर प्रदेश ही होगा। - संपादक